अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 342 लखनऊ, मंगलवार, 01 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

इस्पात उभरते भारत का आधार है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुनियादी ढांचे और रक्षा क्षेत्र से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा स्वच्छ ऊर्जा तक इस्पात को उभरते भारत का आधार बताया है और कहा है कि नीतिगत प्रोत्साहन तथा नवाचार से देश वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अलग पहचान बना रहा है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर केन्द्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी का एक लेख साझा करते हुए कहा कि इसमें बताया गया है कि नीतिगत प्रोत्साहन और नवाचार किस प्रकार से भारत को वैश्विक इस्पात क्षेत्र में अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा , बुनियादी ढांचे और रक्षा से लेकर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्वच्छ ऊर्जा तक, इस्पात उभरते भारत का आधार है।

तेलंगाना में भाजपा को बड़ा झटका, विधायक टी. राजा सिंह ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह ने पूर्व एमएलसी रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र देने का कारण पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने की अनुमति न दिए जाने को बताया है। मीडिया से बातचीत में राजा सिंह ने कहा कि मैं नामांकन दाखिल करने गया था। मैंने आवेदन पत्र भी ले लिया था। मेरे आवेदन पर तीन सदस्यों ने हस्ताक्षर किए। सात और सदस्यों के हस्ताक्षर होने थे। इस वजह से मैं नामांकन दाखिल नहीं कर सका। इसके बाद मैंने तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी. किशन रेड्डी को त्यागपत्र दे दिया और कहा कि वे इसे स्वीकार कर लें।

कमजोर समुदाय के बच्चों के शिक्षा अधिकार को छीन रहा है भाजपा का विकास मॉडल : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को दलित, आदिवासी और पिछड़ा विरोधी करार देते हुए कहा है कि उसका विकास मॉडल इन वर्गो के बच्चों के शिक्षा के अधिकारों को छीनने वाला है इसीलिए भाजपा सरकार के आने के बाद 84 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किये गये हैं। श्री गांधी ने कहा, ख्रभाजपा का विकास मॉडल ग़रीबों से, खासकर दलितों, आदिवासियों और ओबीसी बच्चों से, शिक्षा का अधिकार छीनने वाला मॉडल है। उत्तर प्रदेश में 5,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं। साल 2014 से अब तक देशभर में 84,441 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं जिनमें से अधिकांश तीन भाजपा शासित राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में बंद हुए हैं।

मन में बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना के साथ करें कार्य : राष्ट्रपति

- आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को पदक देकर किया सम्मानित, टॉपर्स को वितरित की उपाधियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को उत्तर प्रदेश के बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने मेधावियों को पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि ईशावास्यम् इदम् सर्वम् के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं और ऋषि-मुनियों का संवाद होता था, यह मान्यता भी उसी सोच पर आधारित है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में थे। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रसंगों का उल्लेख मैं यहां इसलिए कर रही हूं कि जब आप चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तब बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना आपके मन में हो। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं जिस परिवेश से आती हूं, वह सहज रूप से प्रकृति के निकट है। मानव का वनों, और वन्य जीव-जंतुओं के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। सच कहें तो पशु और मानव का एक परिवार का रिश्ता है। राष्ट्रपति ने कहा कि अभी हम आधुनिक जीवनशैली की जिंदगी जी रहे हैं, लेकिन जब छोटे थे तो टेक्नोलॉजी का साधन नहीं था तब पशु ही हमारे साधन थे। पशु के बिना किसान आगे नहीं बढ़ सकते थे। पशु हमारे जीवन का धन हैं। उनके बिना हम जिंदगी के बारे में सोच नहीं सकते थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि वर्ष 1889 में स्थापित इस संस्थान ने 135 वर्ष की अपनी यात्रा में कई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैं। राष्ट्रपति ने संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों और इस संस्थान के नाम दर्ज अनेक पेटेंट्स, डिजाइन, कॉपीराइट्स की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए।

राष्ट्रपति ने कहा कि गिद्धों की संख्या घटने के पीछे पशु चिकित्सा में इस्तेमाल होने वाली रासायनिक दवाओं की भी भूमिका है। ऐसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाना गिद्धों के संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम है। वैज्ञानिकों के इस दिशा में कदम उठाने पर राष्ट्रपति ने बधाई दी।

उन्होंने कहा कि कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो गईं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। इन प्रजातियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत आवश्यक हैं। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसे संस्थान जैव विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाते हुए आदर्श प्रस्तुत करें। समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी आदि मौजूद रहे।

ईवीआरआई की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत : मुख्यमंत्री योगी

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के 11वें दीक्षांत समारोह में शोधकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। आप जैसे वैज्ञानिक उस मूक प्राणी की आवाज बनते हैं जिसे दुनिया सुन नहीं पाती। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को 24 पदक और 576 स्नातक डिग्री की उपाधियां वितरित कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राचीन काल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था और यहां देवाधिदेव महादेव के सात प्राचीन मंदिरों की श्रृंखला 'नाथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित की जा रही है। बाबा अलखनाथ, वनखंडी नाथ, त्रिवटी नाथ, तपेश्वर नाथ, मढ़ी नाथ, धोपेश्वर नाथ और श्री पशुपाति नाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की श्रृंखला इस नगर को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं ऋछुटक्रने इसे आधुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है। मुख्यमंत्री योगी ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि ऋछुटक्रन केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब आरटीपीसीआर जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर 2 लाख से अधिक कोविड जांच करवाईं। योगी ने कहा कि आईवीआरआई की प्रतिबद्धता यह दिखाता है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है।

हैदराबाद के रासायनिक कारखाने में विस्फोट, 13 मजदूरों की मौत

एजेंसी

हैदराबाद। संगारेड्डी जिले के पाशामिलाराम औद्योगिक क्षेत्र की सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सोमवार तड़के भीषण विस्फोट होने के बाद लगी आग में 13 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि हादसे के वक्त फैक्टरी में 108 कर्मचारी थे।फैक्टरी में अभी भी कई मजदूर फंसे हुए हैं। घायलों में 12 की हालत बेहद गंभीर है। उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह 9 बजे पाशामेलाराम औद्योगिक एस्टेट में भीषण विस्फोट हुआ था। सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में रिएक्टर फटने के बाद आग लग गई थी। संयंत्र के परिसर में कार्यालय भी आग के चिपट में आ गया। इससे कई लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायलों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। विस्फोट के कारण कर्मचारी करीब 100 मीटर दूर उछलकर जा गिरे। विस्फोट की तीव्रता के कारण उत्पादन विभाग की इमारत ढह गई, जबकि एक अन्य इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। राज्य का राजस्व विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा बल और दमकल विभाग की टीमें पहुंचीं और बचाव और राहत कार्यों में जुटे हैं। अधिकारियों को आशंका है कि फैक्टरी में अभी भी कई मजदूर फंसे हुए हैं। इसी क्रम में मजदूरों के परिजनों ने फैक्टरी में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसी क्रम में परिजनों और पुलिस के बीच हाथापाई भी हुई। घटनास्थल पर मजदूरों के परिजनों की चीख पुकार सुनाई दे रही है।

बोधगया मंदिर बौद्धों को सौंपने की याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

- अदालत ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय से गुहार लगाने को कहा

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के बोधगया मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की मांग को लेकर प्रस्तुत याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने सुलेखाताई नलिनिताई नारायणराव कुंभारे की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता नारायणराव को इस मामले में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी। अदालत ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय से गुहार लगाने को कहा। न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर सीधे विचार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ऐसी याचिका विचारणीय नहीं है। याचिकाकर्ता ने बोधगया मंदिर प्रबंधन अधिनियम, 1949 में संशोधन करने और मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्धों को सौंपने का निर्देश देने की गुहार लगाई थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने संबंधित बोधगया मंदिर अधिनियम को अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए कहा कि उसे रद्द कर दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि बिहार के बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार पवित्र क्षेत्रों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि बोधगया वह स्थान है, जहाँ भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

आज से बढ़ेगा रेल किराया, सभी वर्गों में लागू होंगे नए रेट

एजेंसी

नई दिल्ली। यात्रियों को अब ट्रेन से सफर करना थोड़ा महंगा पड़ेगा। केंद्र सरकार ने एक जुलाई से रेल किराये में बढ़ोतरी की घोषणा की है। रेलवे मंत्रालय ने सोमवार को यह फैसला लिया कि सभी पैसेंजर ट्रेन सेवाओं में किराये को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधित किराया लागू किया जाएगा। यह बदलाव इंडियन रेलवे कॉन्फ्रेंस एसोसिएशन (आईआरसीए) द्वारा प्रकाशित नई यात्री किराया तालिका के अनुसार होगा।

सरकार ने स्पष्ट किया कि उपनगरीय ट्रेनों के एकल यात्रा टिकट और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, अन्य श्रेणियों में मामूली वृद्धि की गई है। गैर-एसी श्रेणियों जैसे सैकेंड क्लास, स्लीपर और फर्स्ट क्लास में आधे पैसे से लेकर एक पैसे प्रति किलोमीटर तक किराया बढ़ाया गया है। वहीं मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की गैर-एसी श्रेणियों में भी एक पैसा प्रति किलोमीटर का इजाफा किया गया है।

एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, टू-टियर, एसी फर्स्ट क्लास और एग्जीक्यूटिव क्लास में दो पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की गई है। यह नई दरें 01 जुलाई से लागू होंगी। इससे तेजस, राजधानी, वंदे भारत, शताब्दी, दुरंतो, हमसफर, अमृत भारत, महाना, गतीमान, गरीब रथ, जनशताब्दी, युवा एक्सप्रेस, अनुभूती और एसी विस्टाडोम कोच जैसी विशेष ट्रेनों में भी यात्रा महंगी हो जाएगी। हालांकि रिजर्वेशन फीस, सुपरफास्ट चार्ज और जीएसटी जैसे अन्य शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले से बुक किए गए टिकटों पर नया किराया लागू नहीं होगा और उनके यात्रियों से कोई अतिरिक्त राशि नहीं ली जाएगी, लेकिन 01 जुलाई से जो भी टिकट बुक किए जाएंगे, उन पर नया किराया लागू होगा। टीटीई द्वारा ट्रेन में या स्टेशन पर टिकट बनाने पर भी नए किराये के अनुसार ही शुल्क वसूला जाएगा। रेलवे बोर्ड ने सभी ज़ोनल रेलवे को निर्देश दिया है कि नई किराया तालिका को संबंधित कर्मचारियों को समय पर उपलब्ध कराया जाए और स्टेशनों पर प्रदर्शित किराया सूची को भी संशोधित किया जाए। इसके अलावा यात्रियों को इस बदलाव की जानकारी देने के लिए मीडिया, प्रेस और स्टेशन घोषणाओं के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड के निदेशक (यात्री विपणन समन्वय) प्रवीण कुमार के अनुसार, सभी ज़ोनल रेलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह नई व्यवस्था सही तरीके से लागू हो और सभी कर्मचारी इसे भलीभांति समझें व पालन करें।

एक जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक 'स्कूल चलो अभियान' का द्वितीय चरण : बेसिक शिक्षा मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि स्कूल चलो अभियान को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार हर स्तर पर तैयार है। यह अभियान शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का सजीव उदाहरण है। यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने का हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अगर कोई बच्चा स्कूल नहीं आ पा रहा है, तो शिक्षा स्वयं उसके द्वार तक पहुंचे। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि जब नेतृत्व संकल्प ले और प्रशासन संजीवनी देते रहे तो परिवर्तन केवल लक्ष्य नहीं, परंपरा बन जाता है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुआई में शिक्षा को सामाजिक समावेशन और समान अवसर का मजबूत आधार बनाया जा रहा है। आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरुआत के साथ ही एक जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक 'स्कूल चलो अभियान' का द्वितीय चरण पूरे प्रदेश में जोर शोर से संचालित किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिलों को अभियान के संचालन के लिए दो लाख की धनराशि पहले ही जारी कर दी है। यह केवल एक नामांकन अभियान नहीं होगा, बल्कि उन बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने की कोशिश है जो अब तक स्कूल से दूर रहे हैं। ग्रीष्मावकाश के बाद 1 जुलाई से विद्यालय खुलते ही समस्त परिषदीय विद्यालयों को स्वच्छ, सुंदर और उत्सवमय रूप में सजाया जाएगा। हर छात्र-छात्रा का रोली-चंदन, पुष्प-मालाओं और मधुर व्यंजनों से स्वागत किया जाएगा। इस दिन के मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से हलवा और खीर जैसे व्यंजन परोसे जाएंगे, ताकि बच्चों को स्नेह, अपनत्व और उत्साह का अनुभव हो।

एंटी एजिंग दवाओं की वजह से हुई शेफाली जरीवाला की मौत

एजेंसी

मुबंई। 'कांटा लगा' गाने से फ़ेमस हुईं अभिनेत्री शेफाली जरीवाला अब हमारे बीच नहीं रहीं। 42 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, जिससे पूरी इंडस्ट्री और उनके फैंस सदमे में हैं। पहले कार्डिएक अरेस्ट को उनकी मौत की वजह माना जा रहा था, लेकिन अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेफाली का निधन रक्तचाप में अचानक आई भारी गिरावट के कारण हुआ। इस अनपेक्षित घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। शेफाली जरीवाला बीते कई वर्षों से एंटी-एजिंग दवाओं और इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रही थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून को उनके घर में एक धार्मिक पूजा का आयोजन हुआ था, जिसकी वजह से उन्होंने पूरे दिन व्रत रखा था। इसी दिन दोपहर में शेफाली ने कथित तौर पर एंटी-एजिंग इंजेक्शन भी लिया। पुलिस अधिकारियों को शक है कि खाली पेट इंजेक्शन लेने के चलते ही उनका रक्तचाप अचानक गिर गया, जिससे कार्डियक अरेस्ट हुआ। बताया जा रहा है कि शेफाली पिछले 8 साल से इस तरह की दवाएं और इंजेक्शन ले रही थीं। शेफाली जरीवाला के निधन के मामले में पुलिस ने अब तक करीब 10 लोगों से पूछताछ की है। इनमें उनके पति पराग त्यागी, माता-पिता और घरेलू स्टाफ के सदस्य शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 27 जून की रात शेफाली को डिनर के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। स्थिति बिगड़ती देख उनके पति पराग त्यागी उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पांच वर्ष में हर गांव में सहकारी संस्था होगी : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में हर गांव में सहकारी संस्था के गठन का लक्ष्य रखा है और जल्द ही राष्ट्रीय सहकारी नीति की भी घोषणा की जायेगी। श्री शाह ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के उपलक्ष्य में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता में यह बात कही।

सहकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक में देशभर के सहकारिता मंत्रियों, अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रधान सचिवों और सहकारिता विभागों के सचिवों ने भाग लिया। मंथन बैठक का उद्देश्य भारत में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए योजनाओं की समीक्षा, उपलब्धियों का आंकलन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करना है। श्री शाह ने कहा कि भारत में लगभग 60 से 70 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके पास कई पीढ़ियों तक जीवन जीने की मूलभूत सुविधाएं भी नहीं थीं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक के दस वर्ष के कालखंड में ही मोदी सरकार ने इन करोड़ों लोगों का जीवनस्वप्न पूरा कर इन्हें घर, शौचालय, पीने का पानी, अनाज, स्वास्थ्य, गैस सिलिंडर आदि सुविधाएं मुहैया करायी हैं। उन्होंने कहा कि ये करोड़ों लोग अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए उद्यम करना चाहते हैं लेकिन इनके पास पूंजी नहीं है और इनकी छोटी-छोटी पूंजी से बड़ा काम करने का एकमात्र रास्ता सहकारिता है। उन्होंने कहा कि देश के हर व्यक्ति के लिए काम के सृजन के लिए सहकारिता के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है और इसीलिए चार वर्ष पहले बहुत दूरदर्शिता के साथ सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई। श्री शाह ने कहा कि हमें संवेदनशीलता के साथ देश के करोड़ों छोटे किसानों और ग्रामीणों के कल्याण के लिए सहकारिता को पुनर्जीवित करना ही होगा क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

श्री शाह ने कहा कि इस चिंतन और मंथन से तभी भला हो सकता है जब देश के 140 करोड़ लोग रोज़गार प्राप्त कर परिश्रम के साथ अपना जीवन व्यतीत करें और इसे सफल बनाने के लिए सरकार ने 60 पहल की हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल है राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का निर्माण जिसकी मदद से हम कमियां ढूंढ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस इसीलिए बनाया गया है कि राष्ट्रीय, राज्य, ज़िला और तहसील स्तर की सहकारी संस्थाएं मिलकर ये देख सकें कि किस राज्य के किस गांव में एक भी सहकारी संस्था नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अगले 5 वर्ष में देश में एक भी गांव ऐसा न रहे जहां एक भी सहकारी संस्था न हो और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहकारी डेटाबेस का उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन के छिन्न-भिन्न होने के पीछे तीन मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि हमने समय के साथ कानून नहीं बदले, जो अब मोदी सरकार ने बदल दिए हैं। हमने सहकारिता की गतिविधियों को जोड़ा या समय के साथ बदला नहीं था। उन्होंने कहा कि पहले सहकारिता में सारी भर्तियां भाई-भतीजावाद से होती थीं और इसीलिए त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का विचार किया गया।

कारोबारी ने पत्नी-बेटी संग जहर खाकर किया सुसाइड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कपड़ा कारोबारी ने पत्नी और 16 साल की बेटी के साथ जहर खाकर जान दे दी। सोमवार सुबह तीनों फ्लैट में बेहोश मिले। तीनों के मुंह से झाग निकल रहा था। घटना का पता उस वक्त चला जब हालत बिगड़ने पर बेटी ने बड़ी मां को फोन किया और घटना की जानकारी दी। इसके बाद बच्ची के बड़े पिता ने पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को फ्लैट से सुसाइड नोट और टूटी हुई चूड़ियां मिली हैं। सुसाइड नोट लिखा है-हम कर्ज से परेशान हैं। बैंक से लोन लिया था, जिसे चुका नहीं पा रहे। लोन बढ़ता ही जा रहा है। हमारे पास जान देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। पूरा मामला चौक इलाके के अशरफाबाद क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान शोभित रस्तोगी (48), उनकी पत्नी शुचिता (45) और बेटी ख्याति (16) के रूप में हुई है। शोभित रस्तोगी की राजाजीपुरम में जुगल फैशन पॉइंट के नाम से कपड़े की दुकान है। उनकी बेटी ख्याति लखनऊ पब्लिक स्कूल राजाजीपुरम में 11वीं में पढ़ रही थी। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक शोभित के बड़े भाई शेखर ने सुबह 5 बजे पुलिस को फोन किया। उन्होंने बताया कि उनके छोटे भाई की बेटी ने उनकी पत्नी तृप्ति को फोन किया था। उसने बताया कि मम्मी-पापा की तबीयत ठीक नहीं है, आप लोग जल्दी से आ जाइए। शेखर ने पुलिस से कहा कि उन्हें लगता है तीनों ने कुछ खा लिया है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। देखा तो तीनों बेहोश पड़े हुए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर फोरेंसिक टीम भी पहुंची।

टीम को घर में ताजा खोली हुई कोल्ड ड्रिंक की बोतल मिली है, जिसे टीम ने कब्जे में ले लिया। पुलिस को शक है कि प्लान करके तीनों ने सुसाइड किया। शोभित की भाभी को बेटी ने पहले फोन किया। उसके बाद जब वे लोग घर आए तो दरवाजा अंदर से बंद था। बड़ी मां ने भतीजी को फोन किया तो बोली कि हम बाहर नहीं आ पाएंगे। आपको जो चाबी आपके पास है उससे खोलकर आ जाइए। इतना कहते ही फोन कट गया। इसके बाद शोभित के भाई-भाभी ने वह चाबी मंगवाई जो शोभित ने एक दिन पहले दी थी। उसने कहा था कि ससुराल जाना है। पेड़-पौधों को पानी दे दीजिएगा। शुचिता की जेठानी तृप्ति ने बताया न देवरानी और न ही कभी देवर ने कोई भी परेशानी नहीं बताई। देवरानी से बुधवार को फोन पर बात हुई थी। वह मुझसे भीमशाह दर्शन के लिए जाने के लिए कह रही थी। मेरी बेटी के 7 जुलाई से पेपर होने की वजह से मैंने कहा आप लोग घूम आओ। अभी हम नहीं जा पाएंगे। कल हम लोग देवर की दुकान भी गए थे। किसी तरह की कोई भी परेशानी होती तो उन्हें हमसे बताना चाहिए था। उन्होंने केवल हमें घर की चाबी दी। आज सवेरे सुसाइड की खबर सुनकर देवर की दुकान में काम करने वाले वर्कर भी अभी घर आए थे। उन्होंने भी कहा कि भाभी ये (शोभित) तो कल भी दुकान में अच्छे से बोल रहे थे। किसी को भी ऐसा नहीं लगा कि उनके दिमाग में ऐसा कुछ चल रहा है। कारोबारी के पड़ोसियों ने बताया कि शोभित कभी तनाव में भी नहीं दिखे। जब भी मिलते तो नमस्कार, दुआ-सलाम जरूर होती थी। हमेशा मोहल्ले के सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेते थे। पड़ोसी सोमिल रस्तोगी ने कहा- हमें विश्वास नहीं हो रहा कि इतना खुशहाल आदमी कैसे सुसाइड कर सकता है। सोमिल ने बताया हमने जब उनकी डेडबॉडी देखी तो मानना पड़ा कि वह अब नहीं रहे। शोभित से परसों मुलाकात हुई थी। वह कभी तनाव में नहीं दिखे। पूरे मोहल्ले में सबसे हंसते-बोलते रहते थे। ऐसे नेचर के आदमी बहुत कम ही होते हैं।पड़ोसी देवेश पांडेय ने कहा ऐसा देखकर हम लोग स्तब्ध हैं। शोभित से बड़े बीच वाले भाई सुबह आए थे। वो कहने लगे कि शोभित की बेटी ने सुबह फोन करके बुलाया कि तबीयत खराब है, आ जाइए। अब वे लोग अंदर से लॉक नहीं खोल रहे हैं। इसके बाद उनके भाई ने वह चाबी मंगवाई जिसे कल 11 बजे सुबह शोभित उन्हें उनकी दुकान पर दे आए थे। इनके घर में बैंक वाले आते रहते थे। शायद उनके ऊपर 40-45 लाख रुपए का लोन था। कितना लोन था इसकी ज्यादा जानकारी हमें नहीं है। शोभित के भाई शिखर ने बताया कि शोभित ग्रेजुएट थे। उनकी शादी को 18 साल हो गए थे। पिता की कैंसर से बहुत पहले मौत हो गई थी। उसके बाद शोभित को सबसे छोटे भाई होने के चलते नाना ने पाला। तीनों भाइयों का कपड़े का ही कारोबार था। सब अपना-अपना व्यापार देखते थे। शरद सबसे बड़े भाई हैं। वह 6 साल पहले राजा बाजार में अपना घर बनवाकर अलग हो गए थे।

अब पूरे यूपी में दिखेगा मानसून का असर, भारी बारिश का अलर्ट जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में धीरे-धीरे मानसून अपना असर दिखाने लगा है। अब पूरे प्रदेश में मानसून का असर दिखेगा और झमाझम बारिश होगी। कल प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई और लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। इसी बीच मौसम विभाग ने आज भी कई जिलों में बरसात होने की संभावना जताई है और बारिश का ये सिलसिला कल एक जुलाई को भी जारी रहने की संभावना है। विभाग ने कई जिलों में अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 30 जून से 1 जुलाई के बीच पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश की संभावना है। बारिश से दिन के पारे में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी और गर्मी से तात्कालिक तौर पर राहत मिलेगी। सहारनपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, शामली समेत सात जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, 35 जिलों में जोरदार बारिश और 65 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की भी चेतावनी दी है। कई जिलों में बरसात की वजह से नदियों का भी जलस्तर बढ़ रहा है और फसलें भी बर्बाद हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, यूपी के बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, सहारनपुर, शामली, बिजनौर, रामपुर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, हाथरस, कासगंज, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

जातिवाद की राजनीति में न उलझें सनातनी: ऋषि त्रिवेदी

- राज्य की सत्ता हासिल करने का अखिलेश का सपना पूरा नहीं होने वाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री सहित अन्य कथावाचकों को लेकर टिप्पणी करने वाले समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव पर मुस्लिम तुष्टिकरण और हिन्दुओं में जातिवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते हुये अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा है कि हिन्दु समाज को जातिवाद की लड़ाई में झोंककर राज्य की सत्ता हासिल करने का सपना देख रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव का कभी पूरा नहीं होने वाला है। श्री त्रिवेदी ने माना कि किसी भी सनातनी की शिखा को काटना बहुत ही निन्दनीय है, और ऐसा कृत्य करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त काररवाई होना जरूरी है, लेकिन कथावाचकों को जातिवाद के तराजू में तौलना कहीं से भी सही नहीं है। उन्होंने बाबा बागेश्वर धीरेन्द्र शास्त्री पर कथा कहने पर धन लेने संबंधी बात कहने पर अखिलेश यादव को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि तत्कालीन यूपी सरकार में मुख्यमंत्री रहते हुये अखिलेश यादव ने ईस्लामीकरण को बढ़ावा देने के नाम पर सरकारी धन का जमकर दुरूपयोग किया और सपा में आने वाले चन्दे से अपने परिवार के आर्थिक उत्थान का पूरा ध्यान दिया। श्री त्रिवेदी ने कहा कि बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री हमेशा से कहते आये है कि वह दान-दक्षिणा और कथा के लिये मिलने वाले धन से गरीब बेटियों का विवाह, सनातनियों के बेहतर इलाज के लिये हास्पिटल खोलने का काम किया जा रहा है, लेकिन समाजवादी पार्टी के नाम चन्दा लेने वाले सपा प्रमुख अखिलेश सिंह ने गरीब सनातनियों के लिये ऐसा कौन सा काम किया है कि जिससे उनका उत्थान हुआ है। श्री त्रिवेदी ने सम्पूर्ण सनातनी समाज खासकर युवाओं से अपील करते हुये कहा कि वह राजनैतिक दलों की जाति राजनीति में उलझ कर अपने भविष्य को दांव पर न लगाये, बल्कि जातिवाद की राजनीति करने वाले नेताओं का पूरी तरह बहिष्कार करें।

बाबा बागेश्वर पर टिप्पणी एक बहना है, मजहबी तुष्टीकरण के सहारे एक समाज को गोलबंद करने की कोशिश कर रहे अखिलेश: बीजेपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा में कथावाचकों के साथ हुई बदसलूकी की घटना को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रहा है। समाजवादी पार्टी इटावा मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है। इसी कड़ी में अखिलेश यादव ने बाबा बागेश्वर (आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री) को लेकर बड़ा बयान दिया। जिसके बाद भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश यादव पर मजहबी तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। प्रवक्ता ने कहा कि अखिलेश यादव मजहबी तुष्टीकरण के सहारे एक समाज को गोलबंद करने की कोशिश कर रहे हैं जबकि इसे सपा को फायदा होने वाला नहीं है। अखिलेश केवल सिर्फ सनातन का विरोध कर रहे हैं जानबूझकर के धर्मग्रंथो, साधु-संतों, सनातन और भगवा पर अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं। सपा के नेताओं की टिप्पणियों से समाज के विभाजन का खतरा हो सकता है। सनातन को अपमानित कर वोट बैंक की गोलबंदी करना चाहते हैं जबकि जनता समझ चुकी है। आप के बहकावे में नहीं आने वाली है।

राजधानी की सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस ने रखीं सैकड़ों बोरियां, चौराहों पर किया जा रहा सर्वे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस और स्व। ने मिट्टी से भरी सैकड़ों बोरियां रख दीं। दरअसल, शहर में लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए सर्वे किया जा रहा है। जिसके तहत सोमवार सुबह यहां की मुख्य सड़कों पर मिट्टी से भरी बोरियां लिखकर ट्रायल किया जा रहा है। सबसे ज्यादा जाम शाम को पॉलिटेक्निक चौराहे से मुख्यमंत्री आवास तक के मार्ग पर लगता है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) और ट्रैफिक पुलिस मिलकर एक प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं, जिससे इस व्यस्त मार्ग पर ट्रैफिक को सुगम बनाया जा सकेगा। फिलहाल ट्रायल के तौर पर 1090 चौराहे पर मिट्टी से भरी बोरियां रखकर ट्रैफिक मूवमेंट को जांचा जा रहा है। इसके जरिए यह देखा जा रहा है कि किन जगहों पर वाहन अधिक फंसते हैं और किस दिशा में मोड़ देने से ट्रैफिक की रफ्तार बढ़ाई जा सकती है।

बीबीएयू ने पीजी प्रवेश 2025-26 के लिए जारी की काउंसलिंग समय-सारणी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) लखनऊ ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग की विस्तृत समय-सारणी जारी कर दी है।

सोमवार को विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, काउंसलिंग प्रक्रिया को तीन चरणों में विभाजित किया गया है, जिसके बाद रिक्त सीटों के लिए स्पॉट काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण की मेरिट सूची सात जुलाई को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। दस्तावेज़ सत्यापन और शुल्क चालान का सृजन आठ जुलाई को किया जाएगा। अभ्यर्थी 10 जुलाई तक शुल्क जमा करके अपने प्रवेश की पुष्टि कर सकते हैं। इसके पश्चात 11 जुलाई को प्रथम चरण की रिक्त सीटों की घोषणा होगी। दूसरे चरण में मेरिट सूची 14 जुलाई को जारी की जाएगी और 15 जुलाई को चालान सृजन एवं दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस चरण में शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 17 जुलाई है, जबकि द्वितीय चरण की रिक्त सीटों की घोषणा 18 जुलाई को की जाएगी। तीसरे चरण की मेरिट सूची 21 जुलाई को जारी की जाएगी, और दस्तावेज़ सत्यापन एवं चालान सृजन 22 जुलाई को होंगे। तीसरे चरण में शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई है, और 25 जुलाई को तृतीय चरण की रिक्त सीटों की घोषणा की जाएगी। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, इन तीनों चरणों की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात 31 जुलाई को अभ्यर्थियों के मूल दस्तावेज़ों का अंतिम सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद एक अगस्त से स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। जिन अभ्यर्थियों का निर्धारित समय में किसी कारणवश प्रवेश नहीं हुआ उनके लिए विश्वविद्यालय ने स्पॉट काउंसलिंग का आयोजन केवल सीयूईटी अभ्यर्थियों के लिए 30 और 31 जुलाई को किया है, जिसमें दस्तावेज़ सत्यापन और चालान सृजन की प्रक्रिया की जाएगी। संबंधित अभ्यर्थियों को दो अगस्त तक शुल्क जमा करना होगा। इसके बाद चार अगस्त को रिक्त सीटों की जानकारी वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। सीयूईटी और नॉन सीयूईटी दोनों श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए पांच अगस्त से 13 अगस्त तक रिक्त सीटों के विरुद्ध पंजीकरण की प्रक्रिया खुलेगी, जिसके अंतर्गत योग्य छात्र स्वयं को पंजीकृत कर सकेंगे। इसके बाद 14 अगस्त को स्पॉट काउंसलिंग-द्वितीय का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दस्तावेज़ सत्यापन और चालान सृजन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। अंतिम रूप से प्रवेश की पुष्टि के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2025 तय की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी शुल्क केवल ऑनलाइन माध्यम से संबंधित चालान के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। समर्थ पोर्टल पर जनरेट चालान के अतिरिक्त कोई अन्य माध्यम मान्य नहीं होगा। सभी अभ्यर्थियों को यह सलाह दी गई है कि वह समय-समय पर विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट https://www.bbau.ac.in/ से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करते रहें।

जोरदार बारिश, मकान ढहा-पेड़ टूटा, ट्रांसफॉर्मर गिरा-गाय की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दोपहर बाद जोरदार बारिश शुरू हो गई है। इससे सड़कों पर जलभराव हो गया। जलभराव में गाड़ियां पलट रही हैं। कहीं मकान गिरा तो कहीं बड़ा पेड़ टूट गया। सआदतगंज, मौलवीगंज, चौक और सरोजनी नगर में तेज बारिश हो रही है। सआदतगंज इलाके के मंसूर नगर में बारिश की वजह से जर्जर मकान ढह गया। हालांकि, मकान में कोई रहता नहीं था। बारिश से जगह-जगह सड़कों पर जलभराव हो गया। तिलकनगर वार्ड की रामनगर कॉलोनी में नाला ओवरफ्लो हो गया। उसमें एक कार घुस गई। लोगों की मदद से ड्राइवर ने कार बाहर निकाली। स्थानीय पार्षद राजीव बाजपेई का कहना है कि नाले की सफाई और जलभराव की समस्या दूर करने की मांग सदन में उठा चुके हैं। कोई सुनवाई नहीं हुई। मौलवीगंज में बारिश के से ट्रांसफॉर्मर का चबूतरा धंस गया। ट्रांसफॉर्मर गिरने से आज एक और गाय की मौत हो गई।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक की वार्षिक बैठक में राजा भैया फिर बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) की आठवीं वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह श्राजा भैयाश मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रदेशभर से पदाधिकारियों की मौजूदगी में संगठन विस्तार, आगामी चुनावी रणनीति और जनसंपर्क पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ की गई। मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव रखा गया, जिस पर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आए जिला अध्यक्षों ने पूर्ण सहमति जताते हुए एक बार फिर राजा भैया को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तालियों की गूंज और फूल-मालाओं के साथ उनका स्वागत किया। बैठक में पार्टी को मजबूत करने के लिए विधानसभा स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने और पंचायत चुनाव से पहले बूथ कमेटी गठित करने का प्रस्ताव पास किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक जिले में आगामी एक महीने के भीतर कार्यकारिणी गठित की जाएगी। राजा भैया ने 1993 से लेकर आज तक की राजनीतिक यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 25 साल निर्दलीय रहने के बाद 2018 में जनसत्ता दल का गठन किया। दल का नाम ही जनता की सत्ता को दर्शाता है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से जनता के मुद्दों पर मुखर होने, सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने और धरना-प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। राजा भैया ने दो टूक कहा, जनसत्ता दल में जातिवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करना होगा। आतंकवाद, घुसपैठ जैसे मुद्दों पर सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक आवाज उठानी होगी।

भाकपा का प्रदर्शन, स्कूलों के विलय का विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में सोमवार को जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ। भाकपा (माले) और इंसाफ मंच के बैनर तले प्रदर्शन हुआ। इसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बुलडोजर नीति मुरादाबाद के नारे लगे। स्कूलों के विलय और मस्जिदों, दरगाहों, मदरसों समेत अन्य जगहों पर होने वाली बुलडोजर कार्रवाई का विरोध किया। इंसाफ मंच के प्रदेश संयोजक अफरोज आलम ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोगों ने बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थ नगर और पीलीभीत समेत विभिन्न जनपदों का दौरा किया। यहां पर अवैध निर्माण बताकर मदरसों-मजारों और मस्जिदों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई पूरी तरीके से असंवैधानिक थी। हमने वहां पर एक दर्दनाक मंजर देखा, जहां बड़ी-बड़ी इमारतें मलबे में बदल चुकी थीं। मदरसों में पढ़ाने वाले शिक्षक बेरोजगार हो गए। इन मदरसों में शिक्षा हासिल करने वाले बच्चे भी अब अपने घरों में बैठे हुए हैं।प्रदर्शन में शामिल शांतम निधि ने कहा कि बुलडोजर ने लोगों का सुकून और चौन छीन ली है। बुलडोजर नीति इंसाफ का पैमाना नहीं हो सकता। हाल के दिनों में जिस तरीके से नेपाल के आसपास जनपदों में बुलडोजर चला है, इससे संविधान और आम आदमी का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। हमारी एक जांच टीम ने इन तमाम क्षेत्रों का दौरा किया, जिसके बाद रिपोर्ट तैयार की।

छह माह बाद भी आख्या नहीं दे सकीं खण्ड शिक्षा अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रमेन्द्र कुमार सिंह ने सहायक अध्यापक मनोज गुप्ता के मामले में 27 दिसम्बर 2024 को भटहट विकास क्षेत्र की खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन से तीन दिनों के भीतर आख्या मांगी थी। छह माह बाद भी खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन आख्या नहीं दे सकी है।

सहायक अध्यापक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि कोविड के वक्त वह बीमार हो गये थे, इसके बाद उन्होंने अपने प्रधानाचार्य से पुनः शिक्षण कार्य आरम्भ करने की अनुमति मांगी तो उन्होंने अधिकारियों की अनुमति लेकर आने को कह दिया। इसके बाद उन्होंने खण्ड शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की और अपनी बात को रखा तो वह टाल गयी। उन्होंने बताया कि समुचे मामले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रमेन्द्र कुमार सिंह ने उनकी सुनी और खण्ड शिक्षा अधिकारी से आख्या मांगी। इसके बाद भी खण्ड शिक्षा अधिकारी शाइस्ता परवीन ने दस्तावेज के चोरी हो जाने की बात कहकर आख्या देने से इंकार कर दिया। तभी से वह गोरखपुर के बेसिक शिक्षा कार्यालय से लेकर लखनऊ स्थित निदेशालय तक दौड़ रहे है। अभी तक खण्ड शिक्षा अधिकारी ने आख्या नहीं लगायी है। उक्त प्रकरण में खण्ड शिक्षा अधिकारी का कहना है कि उनके कार्यालय से पुराने दस्तावेज गुम हो गये। यही कारण है कि मौजूदा स्थिति में बिना दस्तावेज के कोई आख्या नहीं लगा सकती है। जिसके कारण सहायक अध्यापक मनोज को मुझसे मायूस होना पड़ रहा है।

एईएसएल ने नीट यूजी और जेईई 2025 टॉपर्स को चैम्पियंस ऑफ आकाश कार्यक्रम में सम्मानित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), जो भारत में टेस्ट प्रिपरेशन के क्षेत्र में अग्रणी है, ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया है। संस्था ने छात्रों को चुनौतियों से पार पाकर एक सच्चा प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए सशक्त किया है। नीट यूजी 2025 के परीक्षा पैटर्न और फॉर्मेट में बदलाव और कठिनाई के बावजूद, एईएसएल के छात्रों ने पूरे देश में शानदारप्रदर्शन किया, जो इसकी फोकस्ड प्रॉब्लम-सॉल्विंग अप्रोच का नतीजा है। नीट यूजी 2025 में आकाश केछात्रों ने टॉप 10 में 5 रैंक हासिल किए हैं कृ एआईआर 2, 3,5, 9 और 10।टॉप 100 में 35 रैंकर्स और 11 स्टेटटॉपर्स रहे हैं कृ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दादरा और नगर हवेली, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, गोवा और दमन और दीव से।एईएसएल के एमडी और सीईओ दीपक मेहरोत्रा ने कहा आकाश में हम छात्रों को सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि बदलती परिस्थितियों में खुद को ढालना भी सिखाते हैं। यही वजह है कि हमारे इतने छात्र इस साल भी टॉपर्स बने हैं। नीट 2025 का फॉर्मेट न सिर्फ अलग था, बल्कि काफी चुनौतीपूर्ण भी था। लेकिन चाहे नया फॉर्मेट हो या नई मुश्किलें जब आप प्रॉब्लमसॉल्विंग स्किल सीख लेते हैं, तो आपकिसी भी टेस्ट में सफल हो सकते हैं।ल्ल इन सभी छात्रों को आजल्लआकाश के चैम्पियनङ्कइवेंट में सम्मानित किया गया, जहां उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, न सिर्फ उनके रिज़ल्ट्स के लिए, बल्कि उस सोच के लिए भी जिसमें उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया और क्लैरिटी के साथ तैयारी की। एईएसएल के रीजनल डायरेक्टर डी.के. मिश्रा ने कहा छात्रों की ये सफलता हम सभी के लिए गर्वका विषय है। आकाश में हमारा मकसद हर छात्र को एक ऐसा प्रॉब्लम सॉल्वरबनाना है जो किसी भी बदलाव या चुनौती के बीच भी शांत, केंद्रित और समाधान-उन्मुख बना रहे। हमारी लगातार सफलता इस मजबूत अकादमिक फाउंडेशन, पर्सनल मेंटरशिप और स्टूडेंट्स को भविष्य के लिए तैयार करने के संकल्प को दर्शाती है। हम सभी छात्रों को दिल से बधाई देते हैं।ल्ल कार्यक्रम में टॉपर्स ने तैयारी से जुड़ी अपनी सीखें साझा कीं कृ जैसेकि समय और तनाव को कैसे मैनेज करें, और नीट जैसी बड़ी परीक्षाओं के लिए कैसे बेहतर प्लानिंग करें। छात्रों को प्रेरणा लेने कामिला सीधा मौका मुक्तेश, अनंत, अद्विता, यशमित, सानिश्का और शीकरकी शानदार एकेडमिक जर्नी से छात्र सीधे जुड़ पाए। इस इंटरैक्टिव सेशन में उन्होंने जाना समय का सही मैनेजमेंट कैसे करें, तैयारीके दौरान आने वाली चुनौतियों को कैसे पार करें, मोटिवेशन को लगातार कैसे बनाए रखें, और किस तरह आकाश उनकी करियर गोल्स हासिल करने में मदद कर सकता है। सेशन के दौरान छात्रों और अभिभावकों के सवालों के जवाब दिए गए, जिससे स्टूडेंट्स को अपनी शंकाएं दूर करने में काफी मदद मिली। लखनऊ के कुछ प्रतिभागी बेहतरीन उदाहरणों में शामिल हैं जिनमें नीट यूजी 2025 में मुक्तेश तनमय (एआईआर 36) उत्कर्ष झा (एआईआर 132) आरव प्रकाश सिंह (एआईआर 187) अद्रिका श्रीहर्ष (एआईआर 188) आदित्य मिश्रा (एआईआर 279) अद्विता (एआईआर 325) कनिष्का पटेल (एआईआर 344) शहवार आलम (एआईआर 360) निशांत दुबे (एआईआर 503) जेईई एडवांस्ड 2025 में वंश गुप्ता (एआईआर 289) नितिन चौधरी (एआईआर 446) प्रियांशु बंसल (एआईआर 753) तत्सत मिश्रा (एआईआर 775) उत्कृष्ट वेद (एआईआर 806) दिव्यांश सिंह (एआईआर 832) कुशल अग्रवाल (एआईआर 845) ऋषभ पटेल (एआईआर 925) है।

सांडी विधायक प्रभाष कुमार ने मुख्यमंत्री से मिल मांगा क्षेत्र के विकास में सहयोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। 158 सांडी विधानसभा से लगातार दूसरी बार के विधायक प्रभाष कुमार ने मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट कर अपनी विधानसभा 158 साण्डी के कुछ प्रमुख मुद्दों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया़ मुख्यमंत्री जी ने आश्वाशन दिया कि व इन सभी प्रस्तावों को प्रमुखता से पूरा कराएंगे।

मुख्यमंत्री को दिए गए कार्य इस प्रकार से हैं- सुरसा ब्लॉक में खेल मैदान की स्थापना, बघौली कस्बे को नगर पंचायत का दर्जा दिलाना, साण्डी कस्बे में एक विश्राम गृह का निर्माण कराया जाना, अहिरोरी में एक विद्युत उपकेंद्र की स्थापना, ग्राम पंचायत केहरमऊ में एक सेतु का निर्माण कराया जाना, विकास खंड अहिरोरी के बघौली क्षेत्र में एक उपमंडी की स्थापना कराया जाना आदि है।

जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की शिकायतों को सुना। जन सुनवाई में कुल 137 शिकायतें आयीं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई के दौरान ही पात्र लोगों को वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन से लाभान्वित कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो के मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाये गए। आज जन सुनवाई के दौरान कुल 06 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। इस प्रकार अब तक जिलाधिकारी अनुनय झा की नियमित जन सुनवाई के दौरान ही कुल 127 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। पात्र लोगों के राशन कार्ड भी मौके पर ही बनवाये गए। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि विवाद के स्थाई समाधान के लिए थाकबंदी करवाई जाये। पैमाइश व अंश निर्धारण के प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। नक्शा दुरुस्तीकरण की कार्रवाई में देरी न की जाये। जन सुनवाई के दौरान ही पवन नाम के एक व्यक्ति का राशन कार्ड व दिव्यांग पेंशन का लाभ दिया गया। रानी नाम की एक दिव्यांग महिला को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित कराया गया तथा उनका मौके पर ही राशन कार्ड बनवाया गया।ण्जन सुनवाई में एक बच्ची आयुषी पहुँची और बताया कि उसके माँ और पिता दोनों ने दूसरी शादी कर ली है। उनको बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिलाधिकारी ने तत्काल समाज कल्याण विभाग को बच्ची को दशम छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्ची के 12 वर्ष के दिव्यांग भाई व एक अन्य छोटे भाई को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराने के निर्देश प्रोबेशन विभाग को दिए। सुरेश सिंह नाम के एक दिव्यांग व्यक्ति को जिलाधिकारी ने सरकारी वाहन से तहसील सदर भिजवाया तथा खतौनी में छूटा हुआ नाम तत्काल दर्ज करवाया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी हमेशा गरीबों, मजलूमो, छात्रों, नौजवानो, पीड़ित वंचित, शोषित के साथ हमेशा खड़ी है: परिवेश श्रीवास्तव कुक्कू

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष परिवेश श्रीवास्तव कुक्कू ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों के साथ जिले के सरकारी अस्पताल में फल, दूध, बिस्किट आदि का वितरण कर लम्बी उम्र और उत्तम स्वास्थय की कामना की। यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष ने बताया की समाजवादी पार्टी हमेशा गरीबों, मजलूमो, छात्रों, नौजवानो, पीड़ित वंचित, शोषित के साथ हमेशा खड़ी है पूरा उत्तर प्रदेश मे अराजकता चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा माता प्रसाद पाण्डेय के साथ जिस तरह गोरखपुर मे बुलडोजर लगा कर घटना घटित हुई वो लोकतंत्र की हत्या है। महंगाई की मार से पूरे प्रदेश की जनता त्रस्त है, बिजली दे नहीं पा रहे, एक बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो रहा है। विकास केवल कागज पर चल रहा है धरातल पर उसका उलटा है शिक्षा के स्कूल बंद करके शराब के ठेको पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा की चकं का फार्मूला लेकर 27 मे समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का काम करेंगे। इस मौके पर शराफत अली, शिराज, बेदराम प्रजापति, मुलायम यादव, सर्वेश कुशवाहा, शाबाज खान, रोहित सिंह, अभिषेक यादव, नदीम मंसूरी, रितेश, उमेश, श्यामू यादव, इदरीश गाजी, रंजीत आदि लोग मौजूद रहे।

विद्यालय मर्जर पॉलिसी का ग्रामीणों ने किया विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्कूलों के मर्जर पर चर्चा करने हेतु उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले एक बैठक का आयोजन किया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमित पाण्डेय मंत्री रूपेश अवस्थी के नेतृत्व मे विभिन्न ग्रामसभाओं से आए प्रधानोंए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष व अभिभावकों ने विद्यालयों के मर्जर पर चिंता व्यक्त की। ग्राम प्रधान फैजूल्लापुर अजय पाल ने कहा कि वह मर्जर नियम से बिलकुल भी सहमत नहीं है और अपनी असहमति व्यक्त करते है। ग्रामसभा बिलालपुर के अभिभावकों भगवान शरण, सर्वजीतए राजकुमारए वीरेंद्र कुमार ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय घूरहा की दूरी 4 किलोमीटर है रास्ता अत्यंत ही झाड़ियों युक्त है अगर बिलालपुर को बन्द किया गया तो गांव के बच्चे बाहर पढ़ने नहीं जा पाएंगे क्योंकि इतनी दूर बच्चे अकेले जाएंगे नहीं और हम दिहाड़ी मजदूर है अगर हम बच्चों को छोड़ने गए तो हमारी आजीविका प्रभावित होगी। प्राथमिक विद्यालय निज़ामपुर के अभिभावक रमनेश मिश्रा ने कहा कि निज़ामपुर को सैदपुर मे मर्ज किया जा रहा है बीच मे हाइवे पड़ता है निज़ामपुर के बच्चे हाइवे क्रॉस करके पढ़ने नहीं जा पाएंगे। प्राथमिक विद्यालय लोकपुर के अभिभावक सुनील कुमार ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय कुसुमा 2 किलोमीटर दूर है बच्चे छोटे है और यदि विद्यालय बन्द किया गया तो गांव के बच्चे पढ़ नहीं पाएंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से आशीष प्रताप सिंह, उदय प्रताप, पंकज गौतम, अशोक कुमार सहित अनेको शिक्षक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै कैलाश नरायण मिश्रा पुत्र स्व0 प्रताप नरायण मिश्रा, पताः- ग्राम व पोस्ट- ककेड़ी, थाना साण्डी, तहसील बिलग्राम, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरा पुत्र रोहित कुमार व पुत्रवधू सोनम मिश्रा जो कि बुरी आदतों में लिप्त हो गए है और आए दिन लोगो के साथ लड़ाई-झगड़ा आदि करते है। मेरा पुत्र व पुत्रवधू मुझे गाली गलौज करते है तथा मुझे व मेरे परिवारीजनों को जान से मार डालने की धमकी देते रहते है। जिससे क्षुब्ध होकर मैने अपने पुत्र रोहित कुमार व पुत्रवधू सोनम मिश्रा को उसके गलत चाल-चलन, व्यवहार व आचरण दूषित होने के कारण सम्बन्ध विच्छेदन कर लिए है और अपने पुत्र रोहित कुमार व पुत्रवधू सोनम मिश्रा को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब भविष्य में मेरे रोहित कुमार व पुत्रवधू सोनम मिश्रा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह स्वयं ही जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अमित कुमार सिंह पुत्र श्री संतोष कुमार सिंह, पताः- ग्राम सरदारगंज भिरिया, पोस्ट-खजुरहरा, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में आरूषी सिंह नाम दर्ज हो गया है जोकि गलत है। मेरी पुत्री का सही नाम पूनम सिंह है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में सही नाम पूनम सिंह दर्ज किया जाना अति आवश्यक है।

प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के निराश्रित गो संरक्षण और संवर्धन योजना में किये गये कार्यों हेतु आयुक्त, लखनऊ मण्डल लखनऊ व अपर निदेशक ग्रेड -।, पशुपालन विभाग, लखनऊ मण्डल लखनऊ द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रशस्ति.पत्र प्रदान किया गया। डा0 गोपेश श्रीवास्तव, अपर निदेशक ग्रेड-।।, पशुपालन विभाग, लखनऊ मण्डल लखनऊ द्वारा जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से व्यक्तिगत संपर्क कर प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रहलाद कुण्ड को लेकर डीएम ने लिखा नगर पालिका को अनुस्मारक पत्र

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। प्रहलाद नगरी जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिवम् द्विवेदी प्रहलाद कुंड के सोदर्यीकरण को लेकर काफी संजीदा है। उन्होंने प्रहलाद कुण्ड के सौंदर्यीकरण के लिये शासन को कई पत्र लिखे जिस पर हरदोई डीएम व नगरपालिका को सौंदर्यीकरण के लिए निर्देशित किया लेकिन नगरपालिका द्वारा काम में हीलाहवाली की गयी, जिसको लेकर सोमवार को डीएम कार्यालय से पत्र जारी कर नगरपालिका को तत्काल कार्य करने व तीन दिन में आख्या देने के निर्देश दिए हैं।

पिहानी चुंगी से खेतुई तक बनेगा फोर लेन मार्ग

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पिहानी चुंगी से खेतुई तक फोर लेन मार्ग का निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग की लंबाई 10 किलोमीटर 150 मीटर और चौड़ाई 16.50 मीटर निर्धारित की गई है। परियोजना की कुल लागत 71 करोड़ 27 हजार रुपये है। यह मार्ग पिहानी चुंगी से शुरू होकर अटल चौक, सोल्जर बोर्ड चौराहा, सिनेमा चौराहा और लखनऊ चुंगी होते हुए खेतुई तक जाएगा। नए मार्ग से शहर के भीतरी क्षेत्रों में यातायात सुगम होगा। लोक निर्माण विभाग ने मार्ग निर्माण से पहले सड़क की सीमा में आने वाले अतिक्रमणों की पहचान कर ली है। विभाग ने सभी दुकानों, भवनों और प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर दिए हैं। अधिशासी अभियंता राजकुमार मौर्य के अनुसारए एक सप्ताह में अतिक्रमण नहीं हटाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माण को तोड़ा जाएगा। इसका खर्च अतिक्रमणकर्ताओं से वसूला जाएगा। अतिक्रमण की सूची में पुलिस अधीक्षक आवास की बाउंड्री, सहकारी बैंक, कुछ अधिकारी आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। विभागीय टीम ने स्थल का निरीक्षण कर कार्यवाही की योजना तैयार कर ली है।

■ **71 करोड़ से बनेगी 10 किमी सड़क, 100 से अधिक अतिक्रमण हटेंगे**

अमरनाथ यात्रा के लिए बालामऊ से श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था रवाना

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कछौना कस्बे से गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए सोमवार को अमरनाथ यात्रा पर कछौना बालामऊ से करीब 32 श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था गाड़ी संख्या 13351 जम्मूतवी ट्रेन से रवाना हुआ बालामऊ रेलवे स्टेशन से 32 श्रद्धालु ट्रेन द्वारा बाबा बर्फिनी के दर्शन के लिए रवाना हुए। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं में दर्शन के लिए काफी उत्साह दिखा और रेलवे स्टेशन पर ही बाबा बर्फानी के जयकारे लगाने लगे।जानकारी के मुताबिक वर्ष 2018 से लगातार बालामऊ से अमरनाथ यात्रियों का यह जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाता है। इस बार भी 32 लोगों का दूसरा जत्था दर्शन के लिए रवाना हुआ हैं। लगभग 15 दिनों की यात्रा कर यह जत्था वापस बालामऊ के लिए रवाना होगा। बालामऊ रेलवे स्टेशन पर अचानक से सभी की निगाहें स्टेशन पर मौजूद कुछ यात्रियों पर मुड़ गई। कारण था कि यह यात्री भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगा रहे थे। जब जानकारी हुई तो पता चला कि यह यात्री बाबा अमरनाथ की यात्रा पर जा रहे हैं। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बालामऊ से बाबा अमरनाथ की यात्रा पर दूसरा जत्था निकल चुका है। इस जत्थे में शामिल श्रद्धालु करणी सेना के जिला अध्यक्ष रमन सिंह बताते हैं कि वह और उनके साथी वर्ष 2018 से लगातार बाबा अमरनाथ की यात्रा पर जाते है। शुरुआत में कुछ ही श्रद्धालु हुआ करते थे मगर अब इनके साथ भीड़ बढ़ती जा रही हैं। इसी के चलते इस बार भी उनके साथ 32 लोगों का जत्था बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए निकल पड़ा। रमन सिंह बताते हैं कि वह बालामऊ

से ट्रेन द्वारा जम्मूतवी पहुंचेगेए जहां पर सभी श्रद्धालुओं का मेडिकल परीक्षण रजिस्ट्रेशन होगा इसके बाद अमरनाथ यात्रा पर निकल पड़ेंगे। फिर कई दिनों की यात्रा को पूरी कर यह श्रद्धालु वापस बालामऊ आ जाएंगे। दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में रमन सिंह, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, शीलू सैनी, जितेंद्र सिंह लाल, शैवाल, टिल्लू सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव, शोले मांझी, शीलू सैनी नीरज चौरसिया, नीरज, ब्रज मोहन सोनी, रामकुमार मौर्य, प्रदीप सिंह, संदीप अवस्थी, रामजी मौर्य, सर्वेश मिश्रा, संतोष, सन्नी बाबा विशाल गुप्ता दिनेश सोनी आशीष शुक्ला अंकुर अग्रवाल कान्हा राकेश शर्मा सहित श्रद्धालु बाबा बर्फिनी की यात्रा पर गए हैं इन श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जय मां शारदा कम्युनिकेशन से शांतनु गुप्ता श्री राम इलेक्ट्रॉनिक रामेंद्र सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष व्यापार मंडल द्वारा श्रद्धालुओं भक्तों का माल्यार्पण कर लड्डू व पानी की बोतल देकर यात्रा मंगलमय की कामना की डा0 मुख्तार द्वारा शिव भक्तों को मिष्ठान की व्यवस्था कराई इसी क्रम में महेंद्र जायसवाल द्वारा भक्तों को गुप्त दान किया गया इससे श्रद्धालुओ में उत्साह की भावना जागृत हुई इस मौके पर अमित सिंह, दुर्गेश सिंह जे0बी0 सिंह उपस्थित रहे।

विधायक ने पेय जल प्रशीतक यूनिट का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। तहसील परिसर में चीनी मिल रुपापुर यूनिट द्वारा स्थापित अधिवक्ताओं एवं आम जन की सुविधा हेतु पेयजल प्रशीतक यूनिट का लोकार्पण विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने किया। इसके साथ ही विधायक ने एक अन्य लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर प्रदेश ब्लाक प्रमुख संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी उपजिलाधिकारी संजय अग्रहरि यूनिट हेड संजीव तोमर अधिवक्ता संघ अध्यक्ष राम बिहारी मिश्र विनोद शर्मा वैभव सिंह शान्तनु राकेश मिश्रा प्रधान संघ अध्यक्ष आलोक सिंह उदय राज सिंह दीपांशु सिंह अजय प्रताप सिंह चिन्कू संजीव मिश्रा सहित अधिवक्तागण अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहें।

विद्यालय विलय नीति के खिलाफ एक जुट हुए शिक्षक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों को अधिक संख्या वाले पड़ोस के विद्यालय से विलय नीति के खिलाफ उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले ब्लॉक संसाधन केंद्र मल्लावां पर बड़ी संख्या में शिक्षकों ने पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। इस बाबत शिक्षकों सहित अभिभावकों में भी गहरा रोष व्याप्त है। विभिन्न विद्यालयों की प्रबंध समितियों के सदस्यगणों ने भी इस आदेश के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त कर ब्लॉक संसाधन केंद्र पर पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया। वहीं वर्तमान प्रधान भी इस आदेश से खुश नहीं हैं क्यों कि उनका कहना है शिक्षा को जहां सहज ए सरल बनाने के उद्देश्य से विद्यालय स्थापित हुए थे वहीं इस नीति से बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से प्रथक होने की आशंका है और विद्यालय बंद होने की दशा में उनके कार्यकाल में शिक्षा के द्वारा सुदूरवर्ती क्षेत्र में जाने से हमेशा के लिए उनके दामन पर दाग लग जाएगा। वहीं शिक्षकों का कहना है अधिकांश विद्यालय बंद हो जाने से बच्चों के मौलिक अधिकारों का तो हनन होगा ही साथ ही इससे अधिक संख्या में शिक्षक सरप्लस भी जो जायेंगे। विद्यालय में छात्र उपस्थिति भी प्रभावित हो जाएगी। भविष्य में युवाओं के रोजगार के अवसर भी बड़ी संख्या में कम हो जायेंगे। बड़ी संख्या में सामाजिक हित प्रभावित होगा। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह ब्लॉक कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र मंत्री योगेश कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह संरक्षक संतोष कुमार सुधांशु मोहन जयप्रकाश प्रधान शुक्लापुर गुड्डी देवी प्रधान बेरिया नजीरपुर सुष्मिता प्रधान हरैया साहिमपुर अनुपम कनौजिया प्रवीण कुमार सहित सैकड़ों शिक्षक अभिभावक आदि मौजूद रहे।

कृत्रिम अंग सहायक उपकरण शिविर का ब्लॉक सभागार में हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कृत्रिम अंग सहायक उपकरण चिन्हांकन पंजीकरण हेतु ब्लॉक सभागार में कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्र के 27 लाभार्थियों ने आवेदन जमा किए। ग्राम प्रधानों को रुचि न लेने के कारण अधिकांश दिव्यांगजनों को कैंप की जानकारी नहीं मिली।

खंड विकास अधिकारी महेश कुमार ने बताया सरकार की मंशा है दिव्यांगजनों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ दिया जाता है। दिव्यांगजनों को चलने के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण, ट्राई साइकिल, बैसाखी, स्मार्ट फोन आदि सुविधाएं देने का प्रावधान है। इस कैंप का आयोजन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें एडीओ समाज कल्याण रामू कुमार, कनिष्ठ सहायक रेखा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता भूधर कुशवाहा, अखिलेश वर्मा, कन्हैया लाल वर्मा, महिला समूह सखी रीता वर्मा, मोहित शुक्ला का विशेष साधनी योगदान रहा।

अस्तित्व फाउंडेशन ने विशिष्टजनों को किया सम्मानित, महिला सशक्तिकरण शिविर के सफल आयोजन पर मनाया उत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जनपद में महिलाओं व बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित संस्था अस्तित्व फाउंडेशन द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण शिविर के सफल समापन के उपरांत, रविवार को शहर के एच० के० होटल में एक कार्यक्रम का आयोजन कर प्रशिक्षण शिविर में योगदान देने वाले विशिष्टजनों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था प्रमुख रिचा गुप्ता के संबोधन से हुई, जिन्होंने उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थितजनों से कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। संस्था संरक्षक अविनाश गुप्ता ने प्रशिक्षण शिविर की सफलता के लिए सभी शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'ये शिक्षक ही वह नींव हैं जिनके बिना प्रशिक्षण शिविर संभव नहीं हो सकता।' उन्होंने इस अवसर पर समाजसेवी अभिषेक गुप्ता एवं रेलवे बोर्ड के पूर्व सदस्य गौरव अग्रवाल को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि अगले वर्ष के शिविर में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी जोड़ा जाए। इस अवसर पर संस्था की अन्य पदाधिकारी व सदस्य लक्ष्मी गुप्ता, किरन गुप्ता, मीनू गुप्ता, राम मूर्ति गुप्ता, नैंसी गुप्ता, अनुराग गुप्ता, शिवाय श्रीवास्तव, संध्या श्रीवास्तव, मीनाक्षी गुप्ता, पुष्पा मौर्या, अमर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर से लगी आग, खाना बनाते समय हुआ हादसा, पति-पत्नी झुलसे, लखनऊ रेफर

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सांडी थाना क्षेत्र के सुकमा गांव में सोमवार सुबह एक हादसा हुआ। खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगने से पति-पत्नी गंभीर रूप से झुलस गए। घटना सुबह के समय हुई जब मालती देवी रसोई में खाना बना रही थीं। गैस सिलेंडर से लीकेज के कारण अचानक आग लग गई। आग ने तुरंत पूरे किचन को अपनी चपेट में ले लिया। पत्नी की आवाज सुनकर नीरज उन्हें बचाने दौड़े। वह भी आग की चपेट में आ गए। पड़ोसियों ने आग पर काबू पाया। 40 वर्षीय नीरज और उनकी पत्नी मालती देवी को 108 एम्बुलेंस से हरदोई मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

रौनक लौटी प्राचीनतम शिक्षा केंद्र की

हर शहर, हर महानगर और हर कस्बे की अपनी एक निजी पहचान, निजी विशेषता होती है,जो हर दूसरी जगह से अलग होती है। ऐसी ही खासियत है भारत के प्राचीन गौरव नालंदा विश्वविद्यालय में। सदियों बाद हुई शुरुआत के बाद जिसकी रौनक इसे 'भारत का अपना हार्वर्ड' भी कह सकते हैं। हालांकि एक तरह से प्राचीन नालंदा विवि की तुलना अमेरिका के हार्वर्ड विवि से करना विद्या के इस प्राचीनतम वैश्विक केंद्र की तौहीन है, क्योंकि 5वीं सदी से 12वीं सदी तक नालंदा विश्वविद्यालय की जो सुकीर्ति रही है, उसका कोई सानी नहीं। लेकिन विदेशी आक्रांताओं द्वारा इसे ध्वस्त कर दिये जाने के बाद कई सदियां गुजरी हैं, उस कारण आज अगर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के किसी मौजूदा विश्वविद्यालय के सांकेतिक उदाहरण से समझा जा सकता है, तो वह आधुनिक ज्ञान का बेजोड़ घर हार्वर्ड विश्वविद्यालय ही हो सकता है। बहरहाल नालंदा विश्वविद्यालय का नाम लेते ही भारत के प्राचीन ज्ञान, गौरव, शिक्षा और सांस्कृतिक विपुलता का बोध होता है। निःसंदेह सदियों तक अपने न होने पर भी प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय इतिहास में भारत का एक महत्वपूर्ण लैंडमार्क रहा है। कभी यहां 10 हजार से ज्यादा छात्र पढ़ा करते थे और 2 हजार से ज्यादा शिक्षक थे। हालांकि नालंदा के गौरव गाथाएं अभी महज इतिहास का हिस्सा हैं, लेकिन साल 2006 के बाद प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की जो आधुनिक कहानी शुरू हुई है, वह इतिहास के अपने सुनहरे पदचिन्हों की तरफ सधे कदमों से बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह विश्वविद्यालय बिहार राज्य के नालंदा जिले में स्थित है, जो कि पटना से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाईअड्डा गया का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो इससे करीब 80 किलोमीटर है। नालंदा विवि के सबसे निकट स्थित शहर राजगीर है जो बुद्धिस्ट सर्किट का बोधगया और नालंदा के साथ महत्वपूर्ण हिस्सा है।महान नालंदा विश्वविद्यालय के प्राचीन गौरव पर एक नजर डालना भारत के गौरवपूर्ण इतिहास का पुनर्पाठ करने जैसा है। लगभग 5वीं सदी ईस्वी के समय नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त सम्राट कुमारगुप्त ने की थी। यह विश्वविद्यालय बुद्धिज्म, दर्शनशास्त्र, आयुर्वेद, गणित, खगोलशास्त्र और साहित्य के अध्ययन का विश्व प्रसिद्ध केंद्र था। एक समय यहां 10 हजार से ज्यादा छात्र और 2 हजार से ज्यादा शिक्षक थे, जो कि आवासीय विश्वविद्यालय था। महान तिब्बती विद्वान तात्स्यांग और इत्सिंग जैसे चीनी यात्री यहां अध्ययन कर चुके हैं। इस विश्वविद्यालय को 12वीं सदी के अंत में बख्तियार खिलजी ने आक्रमण करके ध्वस्त कर दिया था और वह इसका नामोनिशान मिटाने के लिए इसमें आग लगा दी थी, जो कहते हैं एक साल तक जलती रही थी। साल 2006 में भारत सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्जीवन की योजना बनायी। तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के 'नॉलेज कॉरिडोर' के विचार के केंद्र में नालंदा विश्वविद्यालय भी था। साल 2010 में नालंदा यूनिवर्सिटी एक्ट 2010 संसद में पारित हुआ तथा नालंदा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की विधिवत स्थापना की योजना बनी। भारत सरकार ने इसे अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय घोषित किया, जिसमें आसियान देशों का व्यापक समर्थन हासिल हुआ। साल 2014 में पुराने नालंदा विश्वविद्यालय की सरजमीं पर नये नालंदा विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई और पहला अकादमिक कार्यक्रम शुरू हुआ। साल 2021-2023 के बीच नालंदा विश्वविद्यालय के नये कैंपस का निर्माण हुआ। यहां पर इस दौरान कई ग्लोबल रिसर्च प्रोग्राम्स का विस्तार हुआ। साल 2024-25 में आसियान, बिम्सटेक, यूरोपीयन यूनिवर्सिटी पार्टनरशिप्स बढ़ी और इस तरह ग्लोबल सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज एंड इकोलॉजी जैसे वैश्विक अध्ययन केंद्र की स्थापना हुई। आज यानी 2025 का नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध अध्ययन, तुलनात्मक धर्म, पर्यावरण और सतत विकास, ऐतिहासिक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और दर्शनशास्त्र मुख्य विषय के रूप में पढ़ाये जाते हैं। यहां 40 से ज्यादा देशों के छात्र हैं और इंटरनेशनल फैकेल्टी व इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च केंद्र मौजूद है। ज्ञान, शांति और साझा भविष्य के लिए शिक्षा' के मिशन के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय का यह नया आदर्श वाक्य है। आज यह विश्वविद्यालय ग्लोबल नॉलेज हैरिटेज और मॉर्डन एकेडमिक सेंटर के रूप में धीरे-धीरे बढ़ रहा है।

सदियों बाद हुई शुरुआत के बाद जिसकी रौनक इसे 'भारत का अपना हार्वर्ड' भी कह सकते हैं। हालांकि एक तरह से प्राचीन नालंदा विवि की तुलना अमेरिका के हार्वर्ड विवि से करना विद्या के इस प्राचीनतम वैश्विक केंद्र की तौहीन है, क्योंकि 5वीं सदी से 12वीं सदी तक नालंदा विश्वविद्यालय की जो सुकीर्ति रही है, उसका कोई सानी नहीं। लेकिन विदेशी आक्रांताओं द्वारा इसे ध्वस्त कर दिये जाने के बाद कई सदियां गुजरी हैं, उस कारण आज अगर प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के किसी मौजूदा विश्वविद्यालय के सांकेतिक उदाहरण से समझा जा सकता है, तो वह आधुनिक ज्ञान का बेजोड़ घर हार्वर्ड विश्वविद्यालय ही हो सकता है।

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन

संजीव ठाकुर

भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है। यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके।

भारत में वर्षाकाल मे भीषण प्राकृतिक वर्षा के फलस्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है।देश के साथ एकसाथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है। यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है। आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है। भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी। भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

बाढ़जनित हादसों में कब तक होती रहेगी जन-धन की हानि

भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन-धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके। भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ।

देश में सरकारी मशीनरी की तंद्रा तब भंग होती है, जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। दूसरे शब्दों में कहें तो सरकारी तंत्र जागने के लिए बड़े हादसे की इंतजार में रहता है। पहले हुए हादसों से सबक सीखने की जरूरत महसूस नहीं की जाती। इसकी प्रमुख वजह है जिम्मेदारी का अभाव। यदि यह जिम्मेदारी तय कर दी जाए कि किसी तरह के हादसे के जिम्मेदारी संबंधित विभागों के अफसरों की होगी और हादसा होने की सूरत में उन्हें सख्त सजा मिलेगी, तभी हादसों पर लगाम लगाई जा सकती है। अभी मानसून की शुरुआत है। हर साल मानूसन के दौरान देश में बाढ़ जनित हादसों में सैकड़ों लोगों की मौत होती है। भारी बारिश से देश को अरबों रुपयों की सम्पत्ति का नुकसान होता है। जन-धन की इस हानि की किसी जिम्मेदारी तय नहीं है। आखिर कौन हर साल होने वाले ऐसे हादसों के लिए जिम्मेदार है। हादसा होने के बाद सिर्फ लकीर पीटी जाती है। ऐसे उपाय नहीं किए जाते कि हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो, या फिर इनकी संख्या में कमी लाई जा सके। भारत में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में तेजी से वृद्धि हुई है। 2013-2022 के दशक में हर साल औसतन 8 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 66,000 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह 2003-2012 के दशक की तुलना में 125 फीसदी अधिक है, जब यह आंकड़ा 3.8 अरब डॉलर था। वर्ष 2024 के नुकसान की गणना अभी बाकी है, जो इतिहास में भारत का सबसे गर्म साल रहा है। यह वृद्धि बताती है कि या तो प्राकृतिक आपदाएं अधिक बार आ रही हैं, अधिक गंभीर हो गई हैं, या दोनों ही बातें हो रही हैं। 1970 से 2021 तक का डेटा दिखाता है कि समय के साथ प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले आर्थिक नुकसान में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कुछ वर्षों में नुकसान की मात्रा में बड़ी छलांग देखी गई, जो विनाशकारी घटनाओं, जैसे कि बड़े चक्रवातों, बाढ़, या सूखे के कारण हुई। वर्ष 2023 में, भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। स्विस रे एक प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी है, जो विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट और अध्ययन प्रकाशित करती है। जून 2023 में, चक्रवात बिपरजॉय ने गुजरात के कच्छ जिले में भारी नुकसान पहुंचाया। इसके कारण सौराष्ट्र और कच्छ के सभी बंदरगाह, जैसे कांडला और मुंदरा बंदरगाह, बंद हो गए। तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्री तूफान ने राज्य में भारी तबाही मचाई। इस चक्रवात ने महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों को भी प्रभावित किया। दिसंबर 2023 में, चक्रवात मिकाउंग के चलते चेन्नई में भारी बारिश और बाढ़ के कारण बड़े नुकसान हुए। इसके अलावा, जुलाई 2023 में उत्तरी भारत और सिक्किम में आई बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली को बुरी तरह प्रभावित किया। स्विस रे के विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है। भारत में गर्मी का मॉनसून (जून से सितंबर) और पूर्वोत्तर मॉनसून (अक्टूबर से दिसंबर) भारी बारिश लाते हैं, जिससे गंभीर बाढ़ की स्थिति पैदा होती है। कुछ बड़ी घटनाओं में 2005 में मुंबई, 2013 में उत्तराखंड, 2014 में जम्मू और कश्मीर, 2015 में चेन्नई और 2018 में केरल की बाढ़ शामिल हैं। साल 2023 में उत्तर भारत की बाढ़ ने भी एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान पहुंचाया। रिपोर्ट कहती है कि नुकसान में वृद्धि के कई कारण हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन प्रमुख है। बढ़ते तापमान से चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ी है। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ता निर्माण और आबादी आपदा के समय अधिक नुकसान का कारण बनते हैं। बाढ़ जैसी आपदाओं से सड़कों, पुलों और सार्वजनिक उपयोगिताओं जैसे बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान होता है। इससे ना केवल आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं बल्कि यह लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित करता है। कुदरती आपदाओं के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं और फिर से निर्माण में भारी खर्च आता है। प्राकृतिक आपदाओं से भारत के कुछ क्षेत्र अधिक प्रभावित हैं। तटीय राज्य, जैसे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल अक्सर चक्रवात और समुद्री तूफानों का सामना करते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे गंगा के मैदान हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। राजस्थान और गुजरात बार-बार सूखे का सामना करते हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे हिमालयी क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। साथ ही, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली जैसे बड़े शहर बाढ़ और जलभराव के लिए अधिक संवेदनशील हैं। वर्ष 2005 की मुंबई बाढ़ और 2015 की चेन्नई बाढ़ भारत की सबसे महंगी प्राकृतिक आपदाओं में से हैं। इनसे क्रमशः 5.3 अरब डॉलर और 6.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। रिपोर्ट कहती है कि इन घटनाओं से स्पष्ट है कि बेहतर योजना और आपदा प्रबंधन की सख्त जरूरत है। जलवायु परिवर्तन के चलते भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है। स्विस रे के मुताबिक भारत को आपदा प्रबंधन और तैयारी के लिए बेहतर कदम उठाने होंगे और ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा जो आपदाओं का सामना कर सके। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए स्विस रे की रिपोर्ट में कुछ उपाय भी सुझाए गए हैं। जैसे कि डेटा और प्रभावित केंद्रों की पहचान कर संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत नक्शा बनाना होगा। आधुनिक तकनीकों और डेटा का इस्तेमाल कर नुकसान का सटीक आकलन किया जाए। ऐसी बीमा योजनाएं तैयार की जाएं, जो अधिक लोगों तक पहुंच सकें और प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर सकें। फ़रवरी 2021 में उत्तराखंड में एक हिमनद के फटने के कारण बर्फ, हिम और मलबे का स्खलन होने से व्यापक 'फ्लैश फ्लड' उत्पन्न हुआ। भारत में बाढ़ प्रतिवर्ष लगभग 75 लाख हेक्टेयर भूमि क्षेत्र को प्रभावित करती है और फसलों, घरों एवं सार्वजनिक उपयोगिताओं की क्षति के रूप में 1,805 करोड़ रुपए मूल्य की हानि का कारण बनती है। सवाल यह है कि आखिर देश के लोग बाढ़जिनत आपदाओं की मार कब तक झेलते रहेंगे। हर साल होने वाली मौतें और हजारों करोड़ की सम्पत्ति की बर्बादी आखिर कब थमेगी। सिर्फ प्रकृति को दोष से देने से जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। लापरवाही की बहानेबाजी का यह सिलसिला तब तक चलता रहेगा, जब तक सजा का कठोर प्रावधान नहीं होगा।

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है।

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्ज़ा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं। 2025 की थीम है 'मास्क के पीछेः देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो। वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफ़ेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्ज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता। हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फ़ेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है। डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

अवैध गुटखा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● पुलिस ने दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा नशीले पदार्थों का उत्पाद/बिक्री करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर राजीव प्रताप सिंह के नेतृत्व में कल 29 जून की देर रात्रि थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा एक बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से संचालित हो रही गुटखा बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार । मौके से 03 गुटखा बनाने वाली मशीनें अर्द्धनिर्मित गुटखा व गुटखा बनाने की सामग्री आदि सामान भारी मात्रा में किया गया बरामद । गौरतलब हो कि पुलिस को सूचना मिली कि गायत्रीनगर निवासी प्रमोद गुप्ता के मकान में कुछ लोगों द्वारा अवैध गुटखा का निर्माण किया जा रहा है । सूचना का संज्ञान लेते हुए थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा टीम के साथ मौके पर छापेमारी करते हुए अवैध गुटखा का निर्माण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया । पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि मकान मालिक प्रमोद गुप्ता व उनके साथी सुरेन्द्र द्वारा यह फैक्ट्री संचालित की जा रही है। उनके द्वारा गुटखा बनाने की सामग्री दी जाती है तथा माल तैयार होने पर उन्हीं लोगों द्वारा सप्लाई की जाती है । पुलिस द्वारा नामित अन्य 02 अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है । गिरफ्तार अभियुक्तों में रमेश विश्वकर्मा पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी गायत्रीनगर थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा व सुदामा प्रसाद पुत्र रामदास निवासी कुरौली थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा हैं। जबकि दो अभियुक्त मौके से फरार हो गये। जिनमें प्रमोद कुमार उर्फ राजा गुप्ता पुत्र शिवकुमार निवासी गायत्रीनगर थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा व सुरेन्द्र रोहड़ा उर्फ बाबू सिंधी निवासी सिन्धी गुरुद्वारा स्टेशन रोड थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा है।

अन्तर्राज्यीय मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्यवाही, पांच गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज बांदा पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए कुल पांच अभियुक्तों को अवैध तमंचे व चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है । गौरतलब हो कि 29/30 जून 2025 की रात्रि को थाना अतर्रा को गश्त एवं चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि कुछ लोग चोरी की मोटरसाइकिल के साथ अतर्रा तहसील के पास मौजूद है । सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा मौके पहुंची तो दो व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ खड़े थे जिन्हे आवश्यक बल प्रयोग करते हुए पकड़ लिया गया तथा तलाशी में उनके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए तथा कड़ाई से पूछताछ करते हुए भागने का कारण पूछा गया तो अभियुक्तों द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि यह मोटरसाइकिल चोरी की है तथा और भी मोटरसाइकिल चोरी की है जिसे कुछ ही दूरी पर झाड़ियो में छिपा रखा है तथा सभी गाड़िया बिक्री हेतु मध्य-प्रदेश ले जाने वाले थे । पुलिस द्वारा अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनकी निशादेही पर कुल पांच मोटरसाइकिले गाड़िया बरामद की गई । पुलिस द्वारा बरामद पांचो गाड़ियो के बारे में पूछने पर अभियुक्तों ने बताया कि ये सभी गाड़िया उनके द्वारा कुछ दिन पूर्व नरैनी रोड अतर्रा, भरतकूप, बांदा रेलवे स्टेशन, कालूकुआं बस स्टैण्ड तथा मध्य प्रदेश से गाड़िया चोरी की गई थी ।

ठेकेदार को पालिका कर्मियों ने नहीं दिया टेण्डर

बांदा। प्रदेश के मुख्यमंत्री की जीरो टालरेंस भ्रष्टाचार की नीति की नगर पालिका परिषद बांदा द्वारा खुलेआम धज्जिया उड़ाई जा रही है। इस बानगी उस समय पालिका परिसर में देखने को मिली जब विभाग में पंजीकृत ठेकेदार को निविदा नहीं नहीं दी गई और अधिकारियों व कर्मचारियों ने हीलाहवाली करते हुए समय निकाल दिया। पीड़ित ठेकेदार ने मुख्यमंत्री सहित आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। नगर पालिका परिषद के ठेकेदार मेसर्स मुमताज अली के सफदर अली ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा पूरे शहर में 28 कार्यों को कराये जाने के लिए निविदाएं निकाली गई थी। जिसकी बिक्री का समय 30 जून को दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया था। जबकि वह 30 जून को कार्यालय खुलते ही समय पर पहुंच गये और निर्माण विभाग के लिपिक व जिम्मेदार अधिकारियों से टेण्डर की मांग भी करते रहे। वहीं पालिका के कर्मचारियों व अधिकारियों द्वारा उनका टेण्डर देने में हीलाहवाली बरती गयी और धीरे-धीरे समय निकाल दिया।

भूमाफिया ने बंद किया सार्वजनिक मार्ग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। तहसील बबेरू कस्बा अतर्रा रोड हमीरिया तालाब का है में अनादिकाल से लोग रह रहे हैं। सार्वजनिक मार्ग पर खड़ंजा व पुरानी जल सप्लाई लाइन पड़ी है किन्तु कुछ दिनों पूर्व से मार्ग दुरुस्त न होने से नगर वासी परेशान थे जिसको लेकर कई बार शासन प्रशासन से गुहार लगाई गई थी कि टूटे हुए मार्ग का पुनः निर्माण कराया जाए उसी क्रम में नगर पंचायत बबेरू के द्वारा सी सी रोड का कार्य शुरू कराया लेकिन कब्जाधारी व्यक्ति के द्वारा निर्माण कार्य में कार्य कर रहे ठेकेदार व मजदूरों को धमकाकर कार्य बंद करवा दिया तब नगर के लोगों ने उपजिलाधिकारी बबेरू संपूर्ण समाधान दिवस मुख्यमंत्री पोर्टल आदि पर कर बार शिकायत किया लेकिन आज तक किसी प्रकार की संतोषजनक कार्यवाही व स्थलीय निरीक्षण नहीं किया गया जबकि मुस्लिम भाईयों का महत्वपूर्ण त्योहार मोहर्रम ताजिया उसी रास्ते से निकलती है जल्द समाधान न होने से मोहर्रम त्योहार बाधित हो जाएगा टूटे हुए मार्ग के कारण बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं वहीं किसी भी समुदाय के व्यक्तियों की मौत के बाद डेड बॉडी ले जाने में भारी दिक्कत होती है इस सम्बन्ध में समाजसेवी पीसी पटेल जनसेवक के नेतृत्व में आज बांदा कलेक्ट्रेट पहुंच जिलाधिकारी व आयुक्त बांदा चित्रकूट से मिलकर लिखित पत्र देकर आग्रह निवेदन किया गया कि अभिलम्ब कदम उठाते हुए गंभीर समस्या का निस्तारण कराया जाए। यदि मोहर्रम त्योहार के पूर्व प्रशासन के द्वारा सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई। तो मजबूरन हम नगर वासियों को मोहर्रम त्योहार को बाधित करते हुए अनशन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसके लिए शासन प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस मौके पर समाजसेवी पीसी पटेल जनसेवक के साथ मनोज कुमार, गऊदीन, राहुल, विनोद, रामौतार वर्मा, उस्मान खान, रामभरोसा त्रिपाठी, अनीश अहमद, के के महंत,कैसर, अशोक तिवारी, मनोज पटेल, सुशील तिवारी, भोंबोलाल, नमीष खान,लल्लू खान, पप्पू, गिरधारी, शैलेन्द्र, अब्दुल रहमान, अजाज अहमद,विनोद विश्वकर्मा, गुलजार, अनीशा, नत्थू प्रसाद, राबिक, शैलजा, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहें।

संचारी रोग और मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लिए बीडीओ ने की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● सभी प्रधान और सचिव गांवों में जाकर कराएं संचारी रोग के लिए सफाई

बड़ोखर बुजुर्ग/बांदा। जुलाई माह शुरू होने के दिन पहले महुआ विकास खंड मीटिंग हाल में खंड विकास अधिकारी दुर्गा प्रसाद प्रजापति और बहेरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर द्वारा सोमवार को ब्लाक के सभी ग्राम प्रधान को और ग्राम सचिव को बुलाकर एक बैठक की जिसमें सख्त आदेश दिए हैं कि आज से आप लोग अपने अपने गांवों में टोली बनाकर सफाई अभियान शुरू कराएं जिसमें भ की टीम द्वार आकर उसका सर्वे करेगी और उसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। वहीं यह भी कहा कि गांवों में युवाओं के लिए बेरोजगारी से दूर करने के लिए सीएम डॉ एक योजना चलाई जा रही है। जो कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना है जिसमे 1 लाख से 5 लाख रुपए तक का लोन दिया जाए और उस व्यवसाय किया जायेगा और उसका ब्याज सरकार जमा करेगी जिसके लिए आप लोग अपन अपने ग्राम पंचायत से कम से कम 2 लोगों के आवेदन भेजे जाएं। इस मौके और ग्राम पंचायत अर्जुनाह, जरर, निवादा,बहेरी,सरस्वाह,नागणेशी,ऐला, मोतियारी सहित ग्राम विकास अधिकारी प्रमोद द्विवेदी,अनिरुद्ध कुमार,लवकुश कुमार,रोहित पटेल और लाल भइया सहित एडीओ आईएसबी वीर सिंह और एडीओ पंचायत मौजूद रहे।

समर कैंप का कब्बड्डी मैच के साथ हुआ समापन

बांदा। कब्बड्डी समर कैंप सीजन 6 के समापन दिवस पर सरदार वल्लभभाई स्पोर्ट्स स्टेडियम बांदा में महोबा, खेरला,बांदा स्टेडियम एवं भागवत प्रसाद कब्बड्डी खिलाड़ियों की टीम के द्वारा कब्बड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमे जूनियर टीम में बांदा ने खेरला को बड़े अंतर से हराकर जीत हासिल की वहीं सीनियर टीम में बांदा स्टेडियम एवं खेरला के मध्य मैच हुआ जिसमें खेरला की टीम ने विजय प्राप्त की कब्बड्डी समर कैंप सीजन 6में प्रत्येक दिन कब्बड्डी खिलाड़ियों को अलग-अलग स्थान पर ले जाकर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई गई है ताकि बच्चे खेल में आगे बढ़े अपने शहर,प्रदेश और देश का नाम रोशन करें और खेल के साथ-साथ सामाजिक परिवेश को समझें। जिसका मुख्य श्रेय जिला कब्बड्डी एसोसिएशन के सचिव कमल सिंह यादव और उनकी पूरी टीम को जाता है जो बांदा में कब्बड्डी खेल की मुहिम को चलाने में और रात दिन कार्य करते हैं और तन मन धन से अपना पूरा सहयोग प्रदान करते है।

जसपुरा बीआरसी में शिक्षक संघ की अहम बैठक

● विद्यालय बंद होने पर भड़के अभिभावक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जसपुरा/बांदा। जसपुरा ब्लाक संसाधन केंद्र सभागार में सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्कूल चलो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और संचारी रोगों की रोकथाम पर जागरूकता फैलाना रहा, लेकिन चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया सरकार द्वारा जसपुरा ब्लाक के 33 विद्यालयों को बंद करने का फैसला। नव नियुक्त शिक्षकों का मुंह मीठा कर किया गया स्वागत ,बैठक की शुरुआत नवागंतुक शिक्षकों के अभिनंदन से हुई। संगठन की ओर से इन युवा शिक्षकों का मुंह मीठा कर स्वागत किया गया। इसके बाद शिक्षा की चुनौतियों और क्षेत्रीय समस्याओं पर खुली चर्चा शुरू हुई। विद्यालय बंदी पर उबला आक्रोश, शिक्षकों-अभिभावकों ने उठाई आवाज सरकार द्वारा जसपुरा ब्लॉक में 33 विद्यालयों के मर्जर/बंद करने के निर्णय पर बैठक में गहरा रोष देखा गया। अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने खुलकर अपनी पीड़ा रखी। उन्होंने कहा कि इससे गांव के बच्चों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ेगा। बैठक का संचालन कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रमोहन साहू ने कहा कि बैठक में प्रमुख शिक्षक नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए,व संघर्ष समिति मंत्री अरविंद निषाद ने कहा कि छात्रहित सिर्फ पढ़ाते हैं', बल्कि समाज को दिशा भी देते हैं'। विद्यालय बंद होने से बच्चों की सोच और भविष्य दोनों बाधित होंगे। संरक्षक शिवमंगल सिंह और मंत्री छोटेबाबू प्रजापति ने भी इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए विरोध का ऐलान किया। ब्लॉक उपाध्यक्ष रंजना द्विवेदी ने कहा कि छात्राओं और बच्चियां सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी, उन्हें दूर पढ़ाई के लिए भेजना सुरक्षित नहीं। बैठक में शिक्षा और पंचायत दोनों पक्षों की मजबूत भागीदारी रही। ग्राम प्रधान शिवदर्शन प्रजापति (नरजिता), पूर्व प्रधान प्रतिनिधि लालबाबू मिश्रा (सिकहुला) सहित दर्जनों पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इस मुद्दे को ग्रामीण स्तर पर गंभीर बनाने का संकेत दिया। जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह, इंद्रपाल , जिला प्रचार मंत्री रामचंद्र शिवहरे, राजेन्द्र कुशवाहा, जिला संघर्ष संयोजिका मंदाकनी, ब्लॉक संघर्ष समिति अध्यक्ष लक्ष्मण स्वरूप पांडेय, ब्लॉक कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद पाल, इन्द्रवीर सिंह, अजय प्रताप, शिवप्रताप चंदेल, रामशंकर मिश्र, संतोष पाल, अरुण साहू, संकेत साहू आदि मौजूद रहे। बंद स्कूल नहीं सहेंगे, संघर्ष जारी रहेगा। बैठक का सार एक ही था विद्यालयों को बंद करना बंद करो। शिक्षक संघ और ग्रामीण प्रतिनिधियों ने साफ किया कि वे आने वाले दिनों में इस फैसले के खिलाफ जिला स्तर पर आवाज उठाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने स्टांप व विद्युत देय वसूली के संबंध में बैठक में शामिल होने के लिए निर्देश

पुरवा-उन्नाव। स्टाम्प व विद्युत देय वसूली के संबंध में एसडीएम ने उपनिबंधक पुरवा व उपखण्ड अधिकारी पुरवा व मौरावां को आगामी 3 जुलाई की बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने सब रजिस्ट्रार पुरवा एवं उपखण्ड अधिकारी विद्युत पुरवा व मौरावां को लम्बित स्टाम्प व विद्युत वसूली प्रमाणपत्रों के साथ आगामी 3 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे तहसील सभागार की बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी अद्यतन सूची एवं पत्रावलियों के साथ बैठक में उपस्थित रहें। उक्त बैठक की प्रतिलिपि एसडीएम ने एडीएम वित्त एवं राजस्व को भी भेजी है। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने बताया कि शासन की मंशानुसार बकाया राजस्व की वसूली की समीक्षा की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत 6 व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज

बांगरमऊ-उन्नाव। विद्युत विभाग की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत क्षेत्र में बिजली चोरी करते हुए पाए जाने पर छह व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। बांगरमऊ उपखंड के अधिशाषी अभियंता राजनाथ यादव के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत टीम के सदस्य उपखंड अधिकारी विनय कुमार आर्य,अवर अभियंता शेर अली ने बांगरमऊ क्षेत्र के गांवों में सोमवार को औचक निरीक्षण कर जांच पड़ताल की। इस दौरान चोरी से बिजली का प्रयोग कर पाए जाने पर छह व्यक्तियों हसीन,जुम्मन,आजाद खान, शफील, विवेक और अनुज के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। अधिशाषी अभियन्ता राजनाथ ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जनपद के कृषि स्नातकों के लिए स्वरोजगार का सुनहरा अवसर

बांदा। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा जनपद बांदा में प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद स्तर पर एग्रीजंक्शन वन स्टॉप शॉप खोले जाने के लक्ष्य प्राप्त हुये हैं। यह केन्द्र एक स्थान पर बीज, उर्वरक, कीटनाशी की बिक्री एवं लघु कृषि यंत्र व मृदा परीक्षण कृषि से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी उपलब्ध करायेंगे। उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले कृषि स्नातक/कृषि व्यवसाय प्रबन्धन / स्नातक जो कृषि एवं सम्बद्ध विषयों यथा उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियों जो किसी राज्य / केन्द्रीय विश्वविद्यालयों या किसी अन्य विश्वविद्यालयों से डिग्रीधारक है, जो आई०सी०ए० आर०/ यू०जी०सी० द्वारा मान्यता प्राप्त हों, पात्र होंगे। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमाधारी/कृषि विषयों में इण्टर मीडिएट योग्य प्रार्थी पर विचार किया जायेगा। आयु 40 वर्ष से अनाधिक, अनुसूचित जाति/जन जाति/महिलाओं को 05 वर्ष की अधिकतम छूट प्राप्त होगी। पात्र अभ्यर्थियों में जिनकी आयु सर्वाधिक होगी, उन्हें वरीयता दी जायेगी। योजनान्तर्गत प्रोजेक्ट की कुल लागत 06 लाख होगी, जिसमें 05 लाख रू० का लोन बैंक द्वारा स्वीकृत किया जायेगा। रू० 01 लाख की मार्जिन मनी लाभार्थी द्वारा स्वयं वहन की जायेगी।

अपर जिला जज ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का किया त्रैमासिक निरीक्षण

बांदा। उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बांदा के निर्देशानुसार आज अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीपाल सिंह बांदा द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) चित्रकूट का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम राजकीय सम्प्रेक्षण गृह के किशोर अपचारियों से भोजन के सम्बंध में पूछे जाने पर किशोरों द्वारा बताया गया कि प्रातः काल नाश्ते में चने और चाय दिये गये थे जो कि मीनू के अनुसार था। सचिव द्वारा अपचारियों के शयन कक्ष का निरीक्षण करने पर पाया गया कि उनके कूलरों में घास लगी हुयी है। सचिव महोदय द्वारा रसोईघर व भण्डार ग्रह का भी निरीक्षण किया गया। दोपहर का खानां मीनू के अनुसार दिया गया। सचिव महोदय द्वारा पीने के पानी की व्यवस्था देखी गयी जिसमें आर0ओ0 सही है परन्तु फ्रीजर खराब होने के कारण ठण्डा पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जो कि उचित नहीं है।

लालता देवी मठ पर आषाढी मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

● रौसर गांव के प्राचीन मंदिर में किया गया भंडारा, भक्तों ने किए दर्शन, भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर के गांव रौसर स्थित लालता देवी के प्राचीन मंदिर पर आज सोमवार को आषाढ़ी अमावस्या के बाद पहले सोमवार को पारंपरिक मेले का आयोजन सम्पन्न हुआ। श्रद्धा और भक्ति के साथ भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा अर्चना के साथ कन्या भोज संपन्न हुआ। मठ वाली माता के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हल्की बूंदाबांदी के बाद मौसम सुहावना हो गया, जिससे श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया। श्रद्धालु माँ लालता देवी के दरबार में पूड़ी-पकवान का भोग लेकर पहुंचे और विधिपूर्वक अर्पित किया। मान्यता है कि इस मंदिर का संबंध महाभारतकाल से है और यहां आकर भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। मंदिर प्रांगण में लगा मेला आकर्षण का केंद्र रहा। महिला श्रद्धालुओं और बच्चों की भारी भीड़ जुटी रही। भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, ददरौल विधायक अरविंद सिंह, पूर्व एमएलसी संजय मिश्रा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपी सिंह, सीओ पंकज पंत व प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी माता के दर्शन करने पहुंचे। मेला व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे भाजपा महानगर उपाध्यक्ष श्यामबाबू दीक्षित व किसान मोर्चा मीडिया प्रभारी सर्वेश मिश्र ने आए अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पटका पहनाकर किया। इसके उपरांत कन्याओं को भोग अर्पित कर भंडारे की शुरुआत की गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पूड़ी-सब्जी और खीर का प्रसाद इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ददरौल श्रीदत्त शुक्ल, नमित दीक्षित, राजाराम वर्मा, महेश पाल सिंह, अजित सिंह, विश्वदीप अवस्थी, सुशील दीक्षित, सुशील सक्सेना, मुकेश राठौर, डॉ. मेहरोत्रा, विवेक मिश्रा, सत्यम शर्मा, फूलचंद मौर्य, वेदप्रकाश मौर्य, संजीव राठौर, आत्माराम दीक्षित, नरेंद्र पाल, भगत रामपाल, अभिषेक मिश्रा, अमित मिश्रा, कपिल दीक्षित, शैलेश दीक्षित, आशु दीक्षित, विवेक दीक्षित सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। श्रद्धा, सेवा और सहयोग की त्रिवेणी में डूबा यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

सड़क हादसे में ट्रक के टक्कर लगने से पिता - पुत्र की हुई दर्दनाक मौत

शाहजहांपुर। जनपद के बीसलपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एसएसबी जवान और उनके बेटे की मौत हो गई। सोमवार सुबह परसिया गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार पिता-पुत्र को कुचल दिया, हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रक के पहिए के नीचे आने के बाद, करीब 50 मीटर तक घसीटते गए. जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वीरपाल (38) और उनके बेटे सुमित (15) के रूप में हुई है। वीरपाल वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में जवान के पद पर कार्यरत थे और उनकी पोस्टिंग पीलीभीत में ही चल रही थी। सोमवार सुबह उनका बेटा सुमित उन्हें ड्यूटी पर छोड़ने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहा था। जैसे ही वे परसिया गांव के पास पहुंचे, तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि ट्रक ने दोनों को बुरी तरह कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बीसलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अश्लील हरकत करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी नौशाद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं।मामले में बड़ा खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को पनाह देने वालों पर शिकंजा कस दिया है।पुलिस ने संरक्षण देने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना के बाद से पुलिस लगातार सक्रिय है और मुख्य आरोपी नौशाद की तलाश में कई ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। एस ओ सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नौशाद की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों को लगाया गया है, जो अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं।उन्होंने बताया कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।वहीं पीड़िता की मां का बयान भी सामने आया है, जिसमें उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताया है। उन्होंने बताया कि शिकायत दर्ज कराते ही पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाई और लगातार कार्रवाई कर रही है उन्होंने मांग की है कि मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर उसे सख्त सजा दिलाई जाए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसा घिनौना कृत्य करने की हिम्मत न कर सके।पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी नौशाद का लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है और उसके नजदीकी लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है जल्द ही पुलिस को बड़ी सफलता मिल सकती है।

नायिका वीरांगना की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

● भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीरता पर डाला प्रकाश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। 1857 ई. के गदर की नायिका वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती के अवसर पर सफीपुर ब्लाक परिसर पर बने उनके स्मारक पर वीरता और शौर्य को नमन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक भाजपा नेता विमल द्विवेदी ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमेश रावत ,जिला पंचायत सदस्य दिलीप कुमार गुड्डू मिश्रा ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने उनकी वीरता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष ने ऊदा देवी के अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी पासी ने 1857 की क्रांति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार और वीरगति को प्राप्त हुईं। उनके शौर्य और पराक्रम से आज भी नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी ,विवेक तिवारी, कुलदीप, गोलू, प्रमोद, व समस्त ब्लाक कर्मी व क्षेत्रीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने वीरांगना के अद्भुत साहस को नमन किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि ऊदा देवी जैसी वीरांगनाओं का त्याग और बलिदान देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।

बीआरसी परिसर में आयोजित की गई बैठक

● शासन द्वारा जबरन थोपी जा रही व्यवस्था का एक सुर में किया विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव। शिक्षकों तथा ग्राम प्रधानों व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। गंजमुरादाबाद विकास खण्ड के बी0 आर0सी0 परिसर में मर्जर जैसी व्यवस्था से प्रभावित होने वाले विद्यालयों (बेसिक) की विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्षगणों, सदस्यों तथा अध्यनरत छात्रों के अभिभावकों, शिक्षा प्रदान कर रहे शिक्षकों तथा ग्राम प्रधानों व उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। ज्ञात हो कि शासन के आदेशानुसार जिन विद्यालयों में 50 छात्रों से कम नामांकन हैं, उन विद्यालयों को पड़ोस के विद्यालयों में मर्ज किया जा रहा है। मर्जर से प्रभावित विद्यालयों की प्रबन्ध समितियों (ड्यूएप) से शासन की मंशानुसार सहमति तथा असहमति की जा रही है। अधिकतर विद्यालयों की विद्यालय प्रबन्ध समितियों से जबरन सहमति का प्रस्ताव भी लिया गया है। इसी क्रम में आज भी यह महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई, जिसमें यह निर्णय सभी की सहमति से लिया गया कि शासन द्वारा जबरन थोपी जा रही यह व्यवस्था मान्य नहीं है। तथा विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्षों, सदस्यों, अभिभावकों तथा ग्राम प्रधानों ने एक सुर में कहा कि हम सभी अपने गांव के विद्यालय का मर्जर मान्य नहीं करेंगे तथा इस व्यवस्था का एक सुर में विरोध प्रदर्शित किया गया। आज की इस महत्वपूर्ण बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लाक इकाई के अध्यक्ष अजय कटियार, मंत्री अवधेश कनौजिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव, उपाध्यक्ष विवेक शुक्ला, सहकोषाध्यक्ष नीतीश कनौजिया, प्रांजल गुप्ता ने सभी संबोधित किया। इस अवसर पर शिक्षक हरिओम शुक्ला, रणविजय सिंह, वेदप्रकाश, रमेश सिंह, अल्पना वर्मा, संतोष कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं, विद्यालय प्रबन्ध समति के अध्यक्ष, सदस्य,ग्राम प्रधान तथा अभिभावक उपस्थित रहे।

सूचना

मेरे दो बेटों में दूसरे नम्बर का छोटा बेटा सूरज पटेल पुत्र श्याम लाल उम्र 25 वर्ष लोगों के गलत संगत में पड़कर उनके कहने सुनने में नहीं है तथा घर आने पर मुझे व मेरी पत्नी तथा बड़े बेटे व उसकी पत्नी को गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देता है जिससे मैं परेशान होकर मैं अपने बेटे सूरज पटेल को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। यदि कोई उक्त सूरज पाल से किसी प्रकार का कोई लेनदेन करता है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

पता - श्याम लाल पुत्र गणेश

निवासी - नगर पालिका परिषद भरवारी, वार्ड नम्बर 7, टिटिहिरिया, मजरा चमंधा, सिराथू ,थाना - कोखराज, कौशाम्बी।

धन का सही उपयोग हो गया होता है तो पलिया क्षेत्र के लिए राहत हो जाती : उत्कर्ष वर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलियाकला खीरी। पलिया नगर के मछली मंडी में रिसाल अहमद द्वारा आयोजित की गई पीडीए पंचायत में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पूरे प्रदेश में पीडीए पंचायत कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में चल रही भाजपा की भ्रष्ट सरकार की खिलाफ जनता को जागरूक किया जाए सबक को संबोधित करते हुए आगे सांसद उत्कर्ष वर्मा ने कहा कि पलिया क्षेत्र में शारदा द्वारा आने वाली बाढ़ के लिए सदन में आवाज उठाकर 22 करोड़ पास कर आए थे लेकिन उन पैसों का प्रदेश सरकार ने सही उपयोग न कर के क्षेत्र के विकास के लिए आए पैसे का बंदर बांट कर लिया। जब शारदा चैनेलाइजेशन कार्य योजना का कार्य शुरू हुआ था तब भाजपा के मंत्रियों सहित प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इसका उद्घाटन कर खूब वा वाही लूटी थी अब इस कार्य योजना के फैलियर की पगड़ी कौन अपने सर पर रखेगा। जब से प्रदेश में भाजपा सरकार आई है तब से विकास के नाम पर सिर्फ और सिर्फ बंदर बांट हो रहा है। अगर इस कार्य योजना में मिले धन का सही उपयोग हो गया होता है तो पलिया क्षेत्र के लिए राहत हो जाती। जनता सब जानती है 2027 में भाजपा सरकार का जाना तय है। समाजवादी सरकार आते ही सभी कार्य योजनाओं की उच्च स्तरीय जांच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी पड़ा पंचायत में आए हुए सभी लोगों से मेरी एक ही अपील है कि आपको जो संदेश दिया गया है इसको अपने मन में न रखकर जनता के बीच पहुंचा देना। सभा को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव गुरप्रीत सिंह जार्जी पूर्व पालिका अध्यक्ष महमूद हुसैन प्रीतिंदर सिंह कक्कू रिशाल अहमद नरेश यादव सहित सांसद प्रतिनिधि अशोक वर्मा सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 की जीत पीडीए की जीत अगर पीडीए समाज इसी तरह जगा रहा तो 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता अशोक वर्मा पीडीए जन पंचायत में थारू क्षेत्र से आए हुए आदिवासी लोगों के प्रति 2024 में मिले समर्थन के लिए आभार प्रकट किया। पीडीए जन पंचायत सभा का कुशल संचालन नगर अध्यक्ष जीएस वालिया ने किया। इस मौके पर संजीव कुमार मुन्ना गोपी नन्नर ललित पाल रामचंद्र गौतम राजा खान मिथिलेश राणा हरिश्चंद्र राणा वहाब अंसारी गुरजीत सिंह छेददू राणा आशीष गुप्ता आजम खान ध्रुव सिंह शीबू खान नितेश शुक्ला शकील अहमद प्रेम प्रकाश पांडे मुख्य रूप से मौजूद है।

हाईवे किनारे मिली नवजात शिशु, स्थिति स्थिर

मैगलगंज खीरी। मैगलगंज में रहजनिया गांव के पास हाईवे किनारे एक नवजात बच्ची मिली है। राहगीरों ने सड़क किनारे कपड़े में लिपटी बच्ची को देखा। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली निरीक्षक रविन्द्र कुमार पांडेय के अनुसार बच्ची को तत्काल निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार बच्ची की हालत स्थिर है।पुलिस ने चाइल्ड केयर को भी सूचित कर दिया है। पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। दोषियों की पहचान के लिए जांच जारी है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस कृत्य को अंजाम देने वाले व्यक्ति की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाए। पुलिस निरीक्षक ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

लेखपाल ने ब्राह्मण समाज की महिलाओं के प्रति की अमर्यादित टिप्पणी, एसडीएम गोला को दिया ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। गोला नगर के राजस्व विभाग में तैनात लेखपाल जयप्रकाश वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज की महिलाओं के प्रति अपनी फ़ेसबुक वाल से एक अमर्यादित एवं अत्यंत अशोभनीय टिप्पणी की गई थी जिससे संपूर्ण ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त है। उक्त जयप्रकाश वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति अपनी कुंठित मानसिकता का प्रदर्शन किया गया है।जयप्रकाश वर्मा ने सरकारी पद पर रहते हुए समाज में जातीय दुर्भावना फैलाने का काम किया है ऐसे कुंठित जातिवादी व्यक्ति से सरकारी कार्य निष्पक्षता से करने पर प्रश्नचिन्ह लगता है तथा उनका यह कृत्य सरकारी आचरण सेवा नियमावली के विरुद्ध है। अपने उक्त कृत्य पर पर्दा डालने के लिए उन्होंने यह कहकर अपना बचाव किया है कि उक्त पोस्ट मेरे मुंशी द्वारा डाली गई है उनका यह कथन ब्राह्मण समाज द्वारा अस्वीकार किया जाता है कि एक सरकारी पद पर रहने वाला व्यक्ति अपने फोन को संभाल नहीं सकता है तो वह अपने विभागीय दायित्व कैसे निर्वहन करेगा। इससे पूर्व भी इनके द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति अमर्यादित टिप्पणी की गई । ब्राह्मण परिवार सेवा समिति द्वारा डीएम खीरी के नाम ज्ञापन प्रस्तुत कर उक्त लेखपाल जय प्रकाश वर्मा को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हुए मुकदमा पंजीकृत कराकर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

पुलिस ने लूट का खुलासा करते हुए दो को भेजा जेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र में हुई लूट का मामला पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपियों को जेल भेजा 19 जून 2025 को मार्निंग वॉक पर निकली महिला से लूट के मामले में पुलिस ने किया खुलासा जानकारी के अनुसार पुलिस ने खपरैला बाजार निवासी 32 शोएब खान और काशीराम कॉलोनी निवासी 28 वर्षी नावेद खान को गिरफ्तार किया है. आरोपियों से लूट का सामान बरामद कर लिया गया है. बरामद सामान में पीली धातु के कुंडल दो जोड़ी एक पेंडल शामिल है. पुलिस ने लूट में इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की है. दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकार्ड भी गंभीर है. इनके खिलाफ लूट हत्या आज के कई मुकदमे दर्ज हैं दोनों आरोपियों पर हत्या का प्रयास, धोखाधड़ी और अवैध हथियार रखना के कई मामले दर्ज हैं. दोनों आरोपियों पर नीमगांव सहित गोला, खीरी और सदर थाने थाना क्षेत्र की अन्य घटनाओं से जुड़े गहने भी मिले हैं. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखीमपुर खीरी के निर्देश पर क्षेत्राधिकार मितौली के पर्यवेक्षण में की गई है. आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हैं दोनों आरोपियों पुलिस ने जेल भेज दिया है।

कस्बा कुकरा के सवलियन विद्यालय, पुलिस चौकी व कब्रिस्तान हुए जलमग्न

कुकरा खीरी। ग्राम पंचायत कुकरा में जल निकासी की व्यवस्था ना होने के कारण हल्की सी बारिश होने से सवलियन विद्यालय व पुलिस चौकी तथा कब्रिस्तान हुए जलमग्न। पंचायत विभाग के आला हुक्मरानों को चाहिए की जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करके कस्बा की आवाम को जल भराव की समस्या से निजात दिलाएँ। ग्राम पंचायत सदस्य सलमान अंसारी, मासूम अली अंसारी, पप्पू अंसारी, बिद्दन खान, सरफराज, परवेज, इजलास, लईक, अरबाज़, रिजवान, लुकमान, मोहसिन आदि लोगों ने प्रधान प्रतिनिधि फ़ुरकानुद्दीन 'सिम्मी, से भेंट कर कस्बा की चोक एवं जर्जर नालियों की तली झार सफाई कराकर बाशिदों को भयावाह एवं संक्रामक रोगों को जन्म देने वाले मच्छरों एवं बदबूदार पानी से निजात दिलाने की माँग की है।

'वेलकम लखीमपुर' का भव्य वार्षिकोत्सव संपन्न

पत्रकारिता और समाजसेवा को मिला सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। निष्ठा, निरंतरता और निःस्वार्थ सेवा के पथ पर गत पांच वर्षों से सतत अग्रसर वेलकम लखीमपुर समाचार सेवा ने आज नगर पालिका परिषद सभागार को गर्व और गरिमा का साक्षी बना दिया। सोशल मीडिया की दुनिया में जनसरोकारों की आवाज़ बनी इस पत्रकारिता मंच ने अपने वार्षिकोत्सव अवसर पर लखीमपुर गौरव सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया, जिसमें नगर के चुनिंदा पत्रकारों एवं समाजसेवियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ0 इरा श्रीवास्तव रहीं, जिन्होंने दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण कर शुभारंभ किया। समारोह का संयोजन जहां ़ुवेलकम लखीमपुरक्क के समर्पित संचालक सर्वेश कुमार शुक्ला ने किया, वहीं अपने खूबसूरत संचालक से मंच को भावनात्मक और साहित्यिक रंगों से सजाया प्रसिद्ध कवि कुलदीप समर ने। रिमझिम बरसात से सजी इस खुशनुमा संध्या में निष्पक्ष, निर्भीक और सकारात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर विचार रखे गए। वक्ताओं ने कहा कि आज के बदलते दौर में जब सूचनाएं भ्रम का रूप ले चुकी हैं, ़ुवेलकम लखीमपुरक्क जैसी पहलें सामाजिक जागरूकता का मजबूत माध्यम बनकर उभर रही हैं। इस अवसर पर जिन विभूतियों को लखीमपुर गौरव सम्मान से नवाज़ा गया, उनमें शिक्षाक्षेत्र, समाजसेवा और पत्रकारिता से जुड़ी हस्तियां प्रमुख रहीं। उल्लेखनीय उपस्थितियों में प्रधानाचार्या शिप्रा वाजपेई, समाजसेवी राजेश दीक्षित, प्रबोध शुक्ला, सीएमएस के प्रबंधक विशाल सेठ, ब्रजेश मिश्रा, शिक्षिका पूर्णिमा मिश्रा, रेडक्रॉस सोसायटी की जिला सचिव आरती श्रीवास्तव, भारत विकास परिषद (विवेकानंद शाखा) की अध्यक्ष अनीता निगम, ऋतुराज वाजपेई, प्रतीक बरनवाल, अधिवक्ता अनुराग सक्सेना, शिक्षिकाएं रीता श्रीवास्तव, अनुराधा तिवारी, अंशू वाजपेई, मयूरी नागर एवं रश्मि महेन्द्रा,अनुज शुक्ला, रंजीत दीक्षित, शिवनन्दन शुक्ला, जैसे नाम शामिल रहे। कुलमिलाकर कार्यक्रम ने न केवल एक समाचर मंच की उपलब्धियों को रेखांकित किया, बल्कि समाज को सजग, संवेदनशील और संगठित करने वाले प्रयासों को भी सम्मानित कर एक नई प्रेरणा दी।

केंद्रीय क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की बैठक गोला तहसील की कार्यकारणी का हुआ गठन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मिल रोड हरिद्वारी वैश्य समाज धर्मशाला में केंद्रीय क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि क्रांतिकारी पत्रकार परिषद के जिलाअध्यक्ष इरफान अंसारी रहे। संचालन पत्रकार राम निवास गुप्ता ने किया । जिला अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकाररिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है।

बैठक में सभी पत्रकारों से एक जुट होकर काम करने का आह्वान किया। केंद्रीय क्रांतिकारी पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष व जिला महासचिव अंशु वर्मा के जिला सचिव सोनू पटेल द्वारा गोला तहसील की कार्यकारणी गठित की गई और पदाधिकारीयो को जिम्मेदारी सौंपी गयी सभी पत्रकारो ने संकल्प लिया किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न किया गया तो हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम समस्त पत्रकार एकजुट होकर कार्य करेंगे। गोला तहसील की कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमे सर्वसम्मति से गोला तहसील प्रभारी प्रमोद गुप्ता गोला तहसील संरक्षक राम निवास गुप्ता , संरक्षक नवीन गिरी , संरक्षक सुनील कुमार गुप्ता , तहसील अध्यक्ष योगेश कुमार प्रजापति , उपाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिंह , महासचिव दिलीप गुप्ता ऊर्फ मोनू, सचिव प्रेमचन्द्र राठौर, सचिव योगेश कुमार कुमार राठौर, सचिव ओम प्रकाश, मीडिया प्रभारी अनूप शर्मा, मीडिया सह0 प्रभारी संदीप कुमार, कोषाध्यक्ष अमित कुमार , संगठन मंत्री गिरीश कुमार गुप्ता सहित आदि लोग मौजूद रहे।

सोनभद्र सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार पिपरी थाना क्षेत्र के गाढ़ा बैरियर के पास तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पंकज कुमार (26) पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी बैंकट मोड़, अनपरा तथा सोनू पुत्र शिव कुमार निवासी बासौरा, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। दोनों युवक किसी काम से कुआरी गाँव गए थे और वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी यह हादसा हो गया। घटना के बाद टैंकर चालक वाहन समेत फरार हो गया। उसे पिपरी पुलिस ने पीछा कर रेणुकूट में पकड़ लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। इस बीच, हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर हिंडाल्को अस्पताल के शवगृह में रखवाया है। मृतक के परिजनों ने तहरीर देकर आगे की कार्यवाही की मांग किया है।

पहली बारिश ने खोल दी नगर पालिका की पोल, जलभराव से गोला नगर बेहाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर की पहली ही बारिश ने नगर पालिका परिषद की तैयारियों की पोल खोल दी। शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लखीमपुर रोड, खुटार रोड, सिनेमा रोड और तीर्थ मोहल्ला की गलियों में पानी भर गया, जिससे तीर्थ सरोवर तक गंदे पानी से लबालब हो गया।

नगर पालिका परिषद द्वारा कुछ समय पहले नालों की सफाई और तली झाड़ का दावा किया गया था, लेकिन यह केवल खबरों और सोशल मीडिया तक ही सीमित रहा। हकीकत में कोई ठोस काम नहीं हुआ, और नतीजा यह हुआ कि पहली ही बारिश में सारा नगर जलमग्न हो गया।

कुम्हारन टोला वार्ड नंबर 1 की हालत और भी खराब रही, जहां घरों में दो-दो फीट तक पानी भर गया। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पिछले दो वर्षों में जमीन पर कोई प्रभावी कार्य नहीं हुआ है, और जनता को सिर्फ आश्वासनों से बहलाया गया।

खुटार रोड पर जल निगम द्वारा पाइपलाइन डालने के बाद जो गड्ढे बने थे, उन्हें केवल तीन दिन पहले इंटरलॉकिंग से ढका गया, लेकिन पहली बारिश ने ही वह इंटरलॉकिंग उखाड़ दी और सड़कें फिर से गड्ढों में तब्दील हो गईं। नगरवासियों में नगर पालिका की इस लापरवाही को लेकर भारी नाराजगी है और मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि अगली बारिश में फिर ऐसी परिस्थिति दो-चार होना न पड़े।

संक्षिप्त समाचार

लखीमपुर खीरी में सेब की खेती की शुरुआत: दशरथपुर के किसान रामपाल मौर्या ने रचा नया कीर्ति मान

लखीमपुर खीरी। जनपद के ग्रांट लन्दनपुर स्थित दशरथपुर के किसान ने अविश्वसनीय कारनामा कर दिखाया है। उन्होने आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में की जाने वाली सेब की खेती अब तराई क्षेत्र में शुरू करने की अनोखी पहल की शुरूआत कर दी है। यह कारनामा दशरथपुर के किसान रामपाल मौर्य द्वारा किया गया है।रामपाल मौर्य ने बताया कि उन्होंने अपने खेतों में विशेष किस्म के सेब के पौधे लगाए हैं, जो गर्म और समतल जलवायु में भी पनप सकते हैं। इस प्रयोग को देखकर आसपास के किसान भी उत्साहित हैं और इस नई पहल को अपनाने के लिए तैयार हो रहे हैं। उनका मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो इससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। लखीमपुर खीरी में सेब की खेती को और विस्तार देने की योजना है।

धूमधाम से मनाई गई महान देशभक्त दान शिरोमणि श्री भामाशाह की जयंती

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के सम्मानित वैश्य समाज के द्वारा महान देशभक्त दान शिरोमणि श्री भामाशाह की जयंती बहुत ही धूम धाम के साथ मनाई गई। नगर पालिका परिषद गोला के प्रांगण में भामाशाह की जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें नगर के तमाम वैश्य बंधुओं सहित व्यापारी बंधुओं ने प्रतिभाग किया । गोला नगर के वैश्य समाज के द्वारा काफी समय से नगर के किसी सार्वजनिक चौराहे अथवा पार्क का नाम दानवीर शिरोमणि भामाशाह जी के नाम पर किए जाने को लेकर मांग की जा रही है। श्री भामाशाह की जयंती के उपलक्ष्य में वैश्य समाज मे उबाल देखते हुए नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर के छोटे मोटे चौराहे का नाम दिया गया जिस पर वैश्य समाज की सहमति नहीं बनी जिससे वैश्य समाज के प्रतिनिधि ने अपना प्रस्ताव रखा जिसमे लखीमपुर रोड स्थित जहानपुर और सिनेमा रोड को जोड़ने वाले चौराहे पर सहमति बनी और नगर पालिका परिषद ने अनुमति प्रदान की(बैठक में श्री हरिद्वारी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शरद गुप्ता सोनू , राष्ट्रीय मंत्री आलोक गुप्ता ,प्रदेश महामंत्री आदित्य गुप्ता आदी,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात गुप्ता बीनू ,अनिल आनंद गुप्ता,प्रदेश कोषाध्यक्ष चंद्र कुमार गुप्ता, यज्ञसेनी समाज अध्यक्ष बबलू गुप्ता , बाथम वैश्य समाज से अरविंद गुप्ता रामजी, व्यापारी बंधुओं में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विनोद स्वर्णकार ,विमलेश मिश्रा ,के के अवस्थी सहित तमाम सर्व समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

लखपेड़ा बांध बना बाढ़ केन्द्र बिन्दु प्रशासन की लापरवाही से सात गांव डूबने की कगार पर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। तहसील क्षेत्र धौरहरा में स्थित लखपेड़ा बांध की जर्जर स्थिति अब ग्रामीणों के लिए गहरा संकट बनती जा रही है। बीते पांच वर्षों से ग्रामीण लगातार प्रशासन से मरम्मत की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कागजी कार्यवाही के अलावा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फत्तेपुर, खनवापुर, लाखुन, फुलपुर, खंडवा, परसिया और लखपेड़ा जैसे सात गांव सीधे तौर पर इस क्षतिग्रस्त बांध के खतरे की जद में हैं। हर साल बाढ़ का पानी इन गांवों के खेतों और घरों को तबाह करता है। इस बार हालात और गंभीर हैं—खेत और मकान दोनों कटान के मुहाने पर पहुंच चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन को कई बार इक्क्ख खीरी, जिलाधिकारी, तहसील प्रशासन, लेखपाल और बाढ़ खंड शारदानगर को सूचित किया गया, लेकिन नतीजा शून्य रहा। शिकायतों के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे भी, लेकिन उन्होंने सिर्फ कुछ तस्वीरें खींचीं और बिना कोई निरीक्षण रिपोर्ट या आश्वासन दिए वापस लौट गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरी कार्यवाही महज खानापूर्ति थी, जबकि हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते मरम्मत कार्य नहीं शुरू हुआ, तो संभावित तबाही के लिए पूरा जिम्मेदार प्रशासन होगा। ग्रामीणों की मांगः तुरंत बांध की मरम्मत शुरू हो, स्थायी समाधान के लिए उच्चस्तरीय निरीक्षण, सभी प्रभावित गांवों के लिए राहत एवं पुनर्वास योजना तैयार की जाए, अब देखना यह है कि प्रशासन खतरे को भांपकर कोई ठोस कदम उठाता है या फिर बाढ़ आने के बाद मलबा समेटने की मजबूरी में ही जागेगा।

टोल प्लाजा पर दूसरे दिन भी किसान का धरना

बिजनौर। बिजनौर नजीबाबाद हाईवे स्थित बनेड़ा टोल प्लाजा पर किसानों का धरना सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। मालूम हो कि टोलकर्मियों के अभद्र व्यवहार के विरोध में किसान टोल प्लाजा पर 29 जून रविवार से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कारण टोल प्लाजा पर वसूली भी बंद है। भारतीय किसान यूनियन टिकैत ग्रुप के प्रदेश उपाध्यक्ष बाबूराम तोमर ने बताया कि टोल कर्मियों द्वारा आमजन और किसानों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों से जबरन टोल वसूली की जा रही है। टोल प्लाजा पर सुविधाओं का अभाव है। किसान नेता ने टोल प्लाजा मैनेजर पर दबंगई दिखाने का भी आरोप लगाया है। नेशनल हाईवे के इंजीनियर आशीष शर्मा से किसानों की रविवार को हुई वार्ता विफल होने के बाद दूसरे दिन भी धरना जारी है।

उर्वरक के साथ जबरन बेचे जा रहे अतिरिक्त उत्पादों से परेशान होलसेलर, सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जनपद के उर्वरक होलसेलर इन दिनों उर्वरक कंपनियों की अनैतिक बिक्री नीति से परेशान हैं। कंपनियां यूरिया, डीएपी और एनपीके जैसे जरूरी उर्वरकों के साथ जबरन क्ब्टथद्बद्य क्क्ष्थद टैगिंग उत्पाद थोपकर बेच रही हैं, जिससे होलसेलर को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर सोमवार को खीरी होलसेल फर्टिलाइज़र संगठन के पदाधिकारी जिला कृषि अधिकारी कार्यालय पहुंचे और एक ज्ञापन सौंपा। संगठन की मांग है कि होलसेलरों को बिना अतिरिक्त उत्पादों के शुद्ध रूप से यूरिया उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे रिटेलरों को उचित दर पर उर्वरक बेच सकें और नुकसान से बच सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष रमेश वर्मा, महामंत्री तनुज भसीन उर्फ गोल्डी, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संगठन ने चेताया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उर्वरक वितरण में असहयोग का रास्ता अपनाने पर विवश होंगे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 22.07.2025 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	07702025 दिनांक 30.06.2025
2	निविदा संख्या : 09-S-DEN-I-LKO/2025-26	
3	कार्य का नाम : ADEN-MBDP [illegible] S.S.E.-P.WAY-PBH [illegible]	
4	अनुमानित लागत : रु. 79,46,401.36	
5	धरोहर राशि : रु. 1,58,900.00	
6	कार्य की समापन अवधि : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 6 माह	
7	निविदा खोलने का प्रारंभ : 08.07.2025	
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 22.07.2025 को बजे 15.00	
9	वेबसाईट : www.ireps.gov.in	

नोट:- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1261/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विजय अभियान जारी रखने उतरेगा भारत, हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद

एजेंसी

ब्रिस्टल। पहले मैच में बड़ी जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की शानदार फॉर्म और कप्तान हरमनप्रीत कौर की संभावित वापसी का पूरा फायदा उठाकर अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री

चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए। पिछले साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं। भारतीय खिलाड़ियों को बेंगलुरु में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी। हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट से किया करार

16 वर्षीय शटलर के नाम कई अंतरराष्ट्रीय पदक, भविष्य में बड़ी उम्मीदें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने अब आधिकारिक रूप से आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ विशेष अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखने वाली 16 वर्षीय तन्वी देश की सबसे होनहार शटलरों में शुमार हैं और पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर खुद को साबित कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने सुपर 300 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर एक और बड़ा मुकाम हासिल किया। तन्वी गर्ल्स/वीमेंस सिंगल्स इवेंट में खेलती हैं और कम उम्र में ही एशियाई स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके प्रमुख उपलब्धियों में 2023 एशिया यूथ बैडमिंटन चैंपियनशिप में रजत पदक, 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2023 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में रजत पदक शामिल हैं– जो इस उम्र में सीनियर खिलाड़ियों के बीच में जीतकर हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सीओओ राहुल त्रेहान ने कहा, हम तन्वी शर्मा का आईओएस परिवार में स्वागत कर बेहद उत्साहित हैं। कम उम्र में उनके बेहतरीन प्रदर्शन, लगन और मेहनत ने हमें काफी प्रभावित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेंगी और हम उनके सफर में हर कदम पर साथ रहेंगे। यह साझेदारी तन्वी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल को और निखारने तथा नए मुकाम हासिल करने में मदद करेगी। आईओएस का उद्देश्य तन्वी के खेल और करियर को सही दिशा देने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक मंच के लिए तैयार करना है।

संक्षिप्त समाचार

दूसरे टेस्ट में विराट कोहली को पछाड़ सकते हैं ऋषभ पंत, एक शतक की है जरूरत

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक और शतक लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल करने की कोशिश करेंगे। अगर पंत दूसरे टेस्ट में शतक लगाते हैं तो वह कोहली को पछाड़कर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में किसी भारतीय द्वारा मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वर्तमान में पंत और कोहली दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में पांच शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतकों के मामले में राहुल द्रविड़ (21 मैच) और महान सचिन तेंदुलकर (32 मैच) शीर्ष पर हैं जिन्होंने 7–7 शतक लगाए हैं। उनके बाद अजहरुद्दीन (15 मैचों में 6 शतक) का नम्बर आता है जोकि तीसरे स्थान पर हैं। चौथे नम्बर पर पंत (13 मैचों में 5 शतक) और पांचवें नम्बर पर कोहली (28 मैचों में 5 शतक) आते हैं। गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान अपने आक्रामक अंदाज में दिखे और दोनों इनिंग्स में शतक लगाने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने। उनकी बल्लेबाजी ने इंग्लिश गेंदबाजों को काफी परेशान किया क्योंकि वे उनके सामने पूरी तरह से बेबस नजर आए। पंत के दो शानदार शतकों के बावजूद भारत हार गया क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से पांच विकेट रहते हासिल कर लिया। पांच मैचों की सीरीज में 0–1 से पिछड़ रहे शुभमन गिल और उनकी टीम बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट के लिए तैयार हैं।

स्टीव स्मिथ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार

सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपने दाएं हाथ की छोटी उंगली पर लगी चोट से उबरने के लिए बेसबॉल का सहारा लिया और अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। स्मिथ को इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान पहली स्लिप में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा का मुश्किल कैच लेने की कोशिश करते समय दाहिने हाथ की छोटी उंगली में चोट लग गई थी। इस 36 वर्षीय पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपने घाव को साफ करने, टांके लगाने और उंगली में पट्टी लगाने के बाद तुरंत लंदन छोड़ दिया। चोट के अपने आप ठीक होने का इंतजार करने के बजाय उन्होंने न्यूयॉर्क में ''बेसबॉल केज'' में जाने का फैसला किया, जहां उनका एक अपार्टमेंट है। चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 159 रन जीता था। न्यूयॉर्क में उन्होंने सख्त क्रिकेट गेंद का सामना करने से पहले नेट पर टेनिस गेंद और अन्य हल्की गेंदों से अभ्यास शुरू किया। ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने स्मिथ के हवाले से कहा, ''मेरे दोस्त ने मुझे इसके बारे में बताया, जो कि आदर्श था, क्योंकि वहां (न्यूयॉर्क में) मौसम काफी गर्म था। मैंने बेसबॉल केज में अभ्यास किया जिससे मुझे जल्दी ठीक होने में मदद मिली। बेसबॉल केज एक जालीदार घेरा होता है, जो क्रिकेट के नेट जैसा ही होता है। बेसबॉल खिलाड़ी इसका उपयोग हिटिंग का अभ्यास करने के लिए करते हैं। स्मिथ ने अपनी बल्लेबाजी की फुटेज ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ को भेजी, जो उनकी प्रगति से खुश है।

महिंद्रा लाइफस्पेस ने बेंगलुरु में 199 करोड़ रुपये में करीब नौ एकड़ जमीन खरीदी

मुंबई। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए बेंगलुरु में करीब 200 करोड़ रुपये में करीब नौ एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने श्रेयस स्टोन्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएसपीएल) का अधिग्रहण किया है, जिसके पास बेंगलुरु में 8.79 एकड़ जमीन है। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स ने सोमवार को बयान में कहा कि उसने एसएसपीएल के साथ शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एसएसपीएल के शेयरधारक अपनी पूरी हिस्सेदारी (शेयर का 100 प्रतिशत) बेचने पर सहमत हो गए हैं। इसके तहत कंपनी 199 करोड़ रुपये में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 10,000 शेयर हासिल करेगी। कंपनी ने कहा, '' इस अधिग्रहण से 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) के साथ प्रीमियम विकास अवसर का द्वार खुलेगा। महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित कुमार सिन्हा ने कहा, '' यह अधिग्रहण शहर के सबसे आशाजनक रियल एस्टेट गिलयारे में से एक उत्तरी बेंगलुरु में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने में बड़ी उपलब्धी है।''

आइनॉक्स नियो एनर्जीज ने स्काईपावर सोलर इंडिया का किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। आईनॉक्स क्लीन एनर्जी की इकाई आईनॉक्स नियो एनर्जीज ने 265 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर स्काईपावर सोलर इंडिया का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा, स्काईपावर सोलर इंडिया के खंड में मध्य प्रदेश में स्थित 50 मेगावाट (एसी)/57.5 मेगावाट (डीसी) की सौर ऊर्ज़ा परिसंपत्तियां शामिल हैं। इसमें कहा गया, इस लेनदेन में परिसंपत्ति का उद्यम मूल्य करीब 265 करोड़ रुपये आंका गया है। आइनॉक्स क्लीन एनर्जी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) भारत सक्सेना ने कहा, '' महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अधिग्रहण समूह के मूल्यांकन ढांचे के अंतर्गत है। हम ऐसे अवसरों की तलाश में हैं, जो अगले दो–तीन वर्ष में तीन गीगावाट हाइब्रिड स्थापित क्षमता तक पहुंचने की हमारी योजनाओं में सहायक हो। बयान में कहा गया, आईनॉक्स क्लीन एनर्जी लिमिटेड की अक्षय ऊर्ज़ा स्वतंत्र उत्पादक इकाई आईनॉक्स नियो एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड ने स्काईपावर सोलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। वित्त वर्ष 2017–18 में शुरू की गई 50 मेगावाट (एसी) / 57.5 मेगावाट (डीसी) की सौर परियोजना मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित है।

दुबई में आयोजित की जाएगी पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग

नयी दिल्ली। पहली विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) अगले साल फरवरी मार्च में दुबई में आयोजित की जाएगी जिसमें 30 देश भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजकों ने सोमवार को यह घोषणा की। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) से मान्यता हासिल है। यह फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता है जिसमें भारत सहित दुनिया भर के खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। लीग का संचालन करने वाली एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और संस्थापक संभव जैन ने कहा, ''कबड्डी न केवल भारत के लिए बल्कि वैश्विक खेल समुदाय के लिए एक बड़े मंच का हकदार रहा है। डब्ल्यूएसकेएल के जरिए हमारा लक्ष्य विश्व भर के दर्शकों को इस खेल से जोड़ना, अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को सामने लाना और ओलंपिक मान्यता की दिशा में निर्णायक कदम उठाना है।

पटौदी पदक के बारे में बाद में सोचा गया, ईसीबी ने नाम बदलकर गलत किया: फारुख इंजीनियर

एजेंसी

बर्मिंघम। दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी के करीबी मित्र फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया तथा इस पूर्व कप्तान के नाम पर पदक देने का फैसला उनके जैसे प्रशंसकों को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की वर्तमान श्रृंखला शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें यह भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और

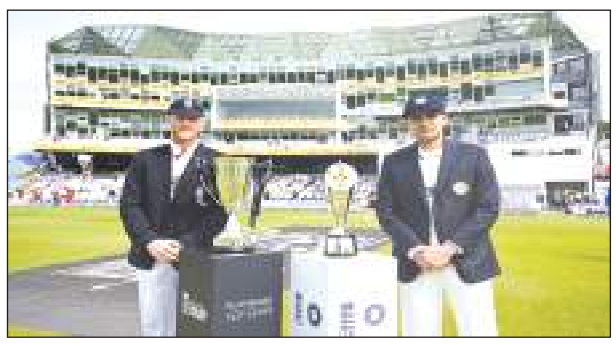

जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने श्रृंखला जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया। मैनचेस्टर में रहने वाले इंजीनियर ने पीटीआई से कहा, ''टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थे। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया। उन्होंने कहा, ''एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं। इंजीनियर ने कहा, ''इसके (पटौदी पदक की शुरुआत) बारे में बाद में सोचा गया। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इससे अधिक विश्वसनीयता होती, लेकिन कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी नाम इसे हमेशा जुड़ा रहेगा। पटौदी परिवार का भारत-इंग्लैंड क्रिकेट से गहरा नाता रहा है। इफ़्तिख़ार अली ख़ान पटौदी और उनके बेटे मंसूर दोनों ने भारत की कप्तानी की और दोनों ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेला। दूसरी तरफ तेंदुलकर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि एंडरसन ने तेज गेंदबाज के रूप में पारंपरिक प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लिए हैं। इंजीनियर ने कहा, ''तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है।

अज़हर महमूद पाकिस्तान की टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त

लाहौर। पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को सोमवार को पाकिस्तान की टेस्ट टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया और वह अपने मौजूदा अनुबंध समाप्त होने तक इस पद पर बने रहेंगे। उनका मौजूदा अनुबंध अगले साल अप्रैल तक है। महमूद ने पिछले साल अप्रैल में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ सभी प्रारूपों में सहायक कोच के रूप में दो साल का अनुबंध किया था। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के जेसन गिलेस्पी (टेस्ट) और दक्षिण अफ्रीका के गैरी कर्स्टन (सीमित ओवर) मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ थे। यह दोनों हालांकि बाद में अपने पद से हट गए थे। पीसीबी ने एक बयान में कहा, ''पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आज अजहर महमूद को पाकिस्तान की पुरुष टेस्ट टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया। अजहर अपने मौजूदा अनुबंध के समाप्त होने तक इस भूमिका में रहेंगे। पचास वर्षीय महमूद ने 1996 से 2007 के बीच पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट और 143 एकदिवसीय मैच खेले।

वित्त मंत्री 30 जून से 5 जुलाई तक स्पेन पुर्तगाल और ब्राजील की यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 30 जून से 5 जुलाई तक स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक दौरे पर जाएंगी। इस दौरान वे वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वित्त मंत्री स्पेन के सेविले की अपनी यात्रा के दौरान संयुक्त राष्ट्र की ओर से आयोजित विकास के लिए वित्तपोषण पर चौथे अंतरराष्?ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगी। इस शिखर सम्मेलन का विषय 'एफएफडी4 के परिणाम से कार्यान्वयन तकः सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता का दोहन' होगा। इस दौरान सीतारमण जर्मनी, पेरू और न्यूजीलैंड के वरिष्ठ मंत्रियों और यूरोपीय निवेश बैंक (ईआईबी) के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगी। मंत्रालय के मुताबिक पुर्तगाल के लिस्बन की अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण पुर्तगाल के वित्त मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। इसके अलावा वह प्रमुख निवेशकों और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत

भी करेंगी। रियो डी जेनेरियो में केंद्रीय वित्त मंत्री भारत के गवर्नर के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की 10वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करेंगी और ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक (एफएमसीबीजी) में भी भाग लेंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एनडीबी बैठकों के हिस्से के रूप में एनडीबी फ्लैगशिप गवर्नर्स सेमिनार के दौरान 'ग्लोबल साउथ के लिए एक प्रीमियर बहुपक्षीय विकास बैंक का निर्माण' विषय पर एक संबोधन भी देंगी। इसके अलावा एनडीबी बैठकों के दौरान वित्त मंत्री ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया और रूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी।

एंबेसी रीट ने मौजूदा कर्ज के पुनर्वित्त के लिए जुटाए 1,550 करोड़ रुपये

बेंगलुरु। एंबेसी ऑफिस पार्क्स रीट ने अपने मौजूदा ऋण को पुनर्वित्त करने और ब्याज लागत बचाने के लिए ऋणपत्र और सावधि ऋण जारी करके सफलतापूर्वक 1,550 करोड़ रुपये जुटाए हैं। शेयर बाजार को सोमवार को दी जानकारी के अनुसार, कंपनी ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) और सावधि ऋण सुविधाओं के संयोजन के माध्यम से 1,550 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें कहा गया, '' प्राप्त राशि का उपयोग कुछ मौजूदा ऋणों को पुनर्वित्त करने के लिए किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप करीब 1.13 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज बचत होगी। एंबेसी ऑफिस पार्क्स रीट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ऋत्विक भट्टाचार्य ने कहा, '' यह पुनर्वित्तपोषण हमारे बही-खाते को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने की रणनीति का समर्थन करता है। साथ ही हमारी भविष्य की विकास पहलों को वित्तपोषित करने के लिए हमें अच्छी स्थिति में लाता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बनी सहमति, ट्रंप की डेडलाइन से पहले ऐलान संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बन गई है। इसका जल्द ही औपचारिक ऐलान हो सकता है। भारत के व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने समय सीमा से पहले मतभेदों को दूर करने के लिए अंतिम प्रयास करते हुए वाशिंगटन में अपना प्रवास बढ़ा दिया है। इस समझौते के लिए भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक दल वॉशिंगटन में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से वैश्विक टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक की समय सीमा 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। इसको लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता बढ़ हुई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। दरअसल, भारत चाहता है कि प्रस्तावित 26 फीसदी शुल्क वापस लिया जाए और स्टील एवं ऑटो पार्ट्स पर पहले से लगे अमेरिकी शुल्कों में छूट मिले। मगर अमेरिका पहले भारत से सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क घटाने और गैर-शुल्क बाधाओं को आसान करने की प्रतिबद्धता चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह अतिरिक्त वैश्विक टैरिफ पर 90 दिवसीय रोक की समय सीमा को 9 जुलाई से आगे बढ़ाने की योजना नहीं बना रहे हैं। इससे पहले अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त कर (टैरिफ) लगाने का ऐलान किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

जिंदल स्टील ने अंगुल संयंत्र में शुरू की पहली 'गैल्वनाइजिंग लाइन'

एजेंसी

नयी दिल्ली। जिंदल स्टील ने अंगुल संयंत्र में अपनी पहली 'गैल्वनाइजिंग लाइन' चालू करने की सोमवार को घोषणा की। इससे लेपित (कोटेड) उत्पादों की आपूर्ति में वृद्धि होगी जिससे उपकरण, मोटर वाहन, बुनियादी ढांचे और निर्माण सहित विभिन्न उद्योगों की जरूरतें पूरी हो सकेंगी। 'कोटेड गैल्वनाइजिंग लाइन 1' (सीजीएल 1) को ओडिशा के अंगुल में कंपनी की इस्पात विनिर्माण सुविधा में मौजूदा कई करोड़ रुपये की निवेश योजना के तहत स्थापित किया गया है। जिंदल स्टील ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, '' नई लाइन जिंदल पैंथर गैल्वनाइज्ड और जिंकल्यूम ब्रांड के तहत गैल्वनाइज्ड एवं गैल्वेनाइज्ड उत्पादों का उत्पादन करेगी। यह उपकरण, मोटर वाहन, बुनियादी ढांचे और निर्माण सहित विभिन्न उद्योगों की जरूरतों को पूरा करेगी। कंपनी के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कहा कि 'गैल्वनाइजिंग लाइन' का चालू होना विविध उद्योग आवश्यकताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एवं मूल्यवर्धित इस्पात उत्पाद प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 'कोटेड गैल्वनाइजिंग लाइन' से तात्पर्य उस औद्योगिक प्रक्रिया से है जिसमें धातु आमतौर पर इस्पात को जंग से बचाने के लिए उस पर जस्ते की सुरक्षात्मक परत चढ़ाई जाती है। इस प्रक्रिया को 'गैल्वनाइजिंग' कहा जाता है।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर लगातार जारी है। सोने और चांदी के भाव में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,410 रुपये से लेकर 97,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,290 रुपये से लेकर 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,07,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा

है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सार्इ का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नए प्रतिमान गढ़ने जा रहा गोरखपुर का एमजीयूजी

■ राष्ट्रपति करेंगी अकादमिक भवन, पंचकर्म केंद्र, ऑडिटोरियम का लोकार्पण व गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपालन हो, ग्लोबल डिमांड वाले रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का संचालन हो, रियायती दर की मॉडर्न मेडिसिन-आयुर्वेद की उत्कृष्ट चिकित्सा हो, नवाचार को बढ़ावा देना हो, अनुशासनबद्ध परिसर संस्कृति हो या फिर पर्यावरण संरक्षण, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) नए प्रतिमान गढ़ने की ओर अग्रसर है। यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां छात्र संसद का चुनाव स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से ऑनलाइन कराया गया। यह विश्वविद्यालय अब पूरे परिसर को सौर ऊर्जा से संचालित करने की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाने में जुटा हुआ है। चार साल की उपलब्धिपूर्ण शैक्षिक यात्रा में इस विश्वविद्यालय की गौरवगाथा में मंगलवार (एक जुलाई) को नया अध्याय जुड़ने जा रहा है।

एमजीयूजी निजी क्षेत्र का संभवतः प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय होगा जहां सिर्फ चार साल के दौरान दूसरी बार राष्ट्रपति का कार्यक्रम होने जा रहा है। 28 अगस्त 2021 को एमजीयूजी का लोकार्पण तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। अब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु मंगलवार को यहां आने जा रही है। वह यहां पर एमजीयूजी में नवनिर्मित अकादमिक भवन, करीब 1500 लोगों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम, विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी। यह विश्वविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का उच्च शिक्षा केंद्रित ऐसा प्रकल्प है जो चिकित्सा शिक्षा, उससे जुड़े अन्य आयामों और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रहा है। उल्लेखनीय है कि 10 दिसंबर 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह में पधारे तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परिषद के शताब्दी वर्ष, 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी बनाने का आह्वान किया था। कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह का कहना है कि एमजीयूजी उसी आह्वान को पूरा करने में एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग, फार्मेसी, पैरामेडिकल, एलायड हेल्थ साइंस, एग्रीकल्चर, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के दो दर्जन से अधिक भविष्योन्मुखी पाठ्यक्रमों का सफल संचालन कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। एमजीयूजी के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के संस्थापक एवं कुलाधिपति, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमेशा ही यह मंत्र दिया है कि समय से दो कदम आगे चलने की कोशिश करें। एमजीयूजी में उसी मंत्र का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहा है। एमजीयूजी में शिक्षा और चिकित्सा की मानकीकृत व्यवस्था के साथ लीक से हटकर समृद्ध परिसर संस्कृति को विकसित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में गत वर्ष यहां स्वनिर्मित सॉफ्टवेयर से छात्र संसद का ऑनलाइन चुनाव कराया गया। ऐसा करने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय है। यही नहीं, आगामी कुछ सालों में यह विश्वविद्यालय अपनी ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं को पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित करेगा। इस प्रस्ताव पर एमजीयूजी की कार्यपरिषद की मुहर लगने के बाद काम शुरू हो चुका है। यह पहल ग्रीन-क्लीन कैंपस के रूप में विकसित एमजीयूजी की तरफ से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में शोध-अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एमजीयूजी ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी), लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल आदि के साथ एमओयू किया है। एमजीयूजी बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के हाथों लोकार्पित होने जा रहे पंचकर्म चिकित्सा केंद्र के सभी 11 कॉटेज विश्व स्तरीय मानक के अनुरूप बनाए गए हैं और वहां चिकित्सा शुरू भी हो चुकी है। इसी तरह लोकार्पण के लिए तैयार ऑडिटोरियम प्रदेश के शानदार और सुविधाजनक प्रेक्षागृहों में से एक है। अकादमिक भवन भी अत्याधुनिक और हाईटेक है। यहां एक हजार की क्षमता का गर्ल्स हॉस्टल भी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा जिसका शिलान्यास राष्ट्रपति करेंगी। आने वाले समय में यहां के मेडिकल कॉलेज में कुल 1800 बेड का हॉस्पिटल होगा जिसका निर्माण कार्य तेजी से जारी है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह लोगों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देखा तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। पुलिस ने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए प्रतिमा की मरम्मत कराते हुए कार्रवाई का आश्वसन देकर लोगों को शांत कराया। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत ताखा पूरब गांव में रविवार रात को अराजकतत्वों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने देखा कि प्रतिमा की उंगली टूटी हुई है। इससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। खबर फैलते ही बसपा के वाराणसी मंडल प्रभारी अनिल गौतम, विधानसभा अध्यक्ष विकास गौतम और नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार गौतम मौके पर आ गए। इस बीच हंगामा कर रहे ग्रामीणों को मौके पर पहुंची पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रतिमा की मरम्मत करा दी गई है। ग्रामीणों ने गांव के एक युवक पर प्रतिमा तोड़ने का आरोप लगाया है, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दिव्यांगों का जीवन आसान बनाने को संस्था उपलब्ध कराएगी सहायक उपकरण

वाराणसी। अमेरिका से संचालित भारत में कार्य कर रही वॉइस ऑफ स्पेशली एबल्ड पीपल संस्था वाराणसी के दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराएगी। संस्था के संस्थापक प्रणव देसाई की पहल पर यह उपकरण दिव्यांगों को निःशुल्क दिए जाएंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक डॉ उत्तम ओझा ने सोमवार दी। डॉ ओझा ने बताया कि जुलाई माह के मध्य में दिव्यांगों को उच्च क्वालिटी के सहायक उपकरण, जो उनके जीवन यात्रा को सुगम बना सके वितरित किए जाएंगे।

गृहमंत्री अमित शाह को वाहिनी प्रमुख ने लिखा पत्र

डॉ सच्चिदानंद सिन्हा जी को मिले भारत रत्न: पंकज भईया कायस्थ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दिनांक 14 जून को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को और उसी क्रम में आज दिनांक 30 जून को गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिख डॉ सच्चिदानंद सिन्हा को भारत रत्न दिए जाने की माँग किया।

अपने पत्र के माध्यम से कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय के प्रमुख पंकज भईया कायथ ने कहा की डॉ सच्चिदानंद सिन्हा जी वर्ष 1910 से 1930 तक इम्पीरियल लेजिसलेटिव काउंसिल के सदस्य थे। 1921 में केंद्रीय विधानसभा के उपाध्यक्ष बने, उन्होंने बिहार और उडीसा विधान परिषद में राष्ट्रपति का पद भी सम्भाला और बाद में बिहार विधानसभा में भी कार्य किया। बाद में डॉ सच्चिदानंद सिन्हा जी किसी प्रान्त के वित्त सदस्य का पद सम्भालने वाले पहले भारतीय बने। इतना ही नहीं भारतीय संविधान निर्माण समिति के पहले अस्थाई अध्यक्ष भी रहे। वही थे जिन्होंने सर्वप्रथम भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया था। ऐसे विभूति को उचित सम्मान अवश्य मिलना चाहिए। आगे पत्र में कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय के प्रमुख पंकज भईया कायस्थ ने माँग करते हुए लिखा कि डॉ सच्चिदानंद सिन्हा जी को भारत रत्न देर से ही सही अब प्रदान करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जो हम सब के लिए गर्व की बात होगी।

मतांतरण करने वाले गिरोह के खिलाफ मुकदमा, संदिग्धों की तलाश जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र में सक्रिय मानव तस्करी एवं मतांतरण करने वाले गिरोह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नाबालिग लड़की को बरामद कर बालिका सुधारगृह में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। गिरोह में सक्रिय सदस्यों की तलाश जारी है।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि फूलपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने 28 जून को पुलिस को सूचना दिया कि तरकसा बानो मेंरी 15वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर ले गई और धर्म परिवर्तन के लिए केरल भेज दिया। जहां उसे धर्म परिवर्तन करने के लिए पैसों का लालच दिया गया। लेकिन उसने मतांतरण करने से इन्कार कर दिया। तब जबरन धर्मांतरण करने एवं देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का दबाव बनाया जाने लगा। हालांकि वह वहां से जान बचाने में कामयाब हो गई । पीड़ित लड़की ने पुलिस को सूचना दी।

केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस से संपर्क किया तो पूरा मामला खुल गया। पुलिस टीम ने इस संबंध तत्काल मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी। पीड़ित लड़की को बरामद किया गया। इस मामले में आरोपित तरकसा बानो और फूलपुर निवासी कैफ़ को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में संदिग्ध लोगों की तलाश करने के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है।

एसटीएफ ने गिरफ्तार किया पचास हजार का इनामी बदमाश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई की टीम ने सोमवार को प्रतापगढ़ के पट्टी थाना क्षेत्र से पच्चास हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। इसके खिलाफ लूट, जानलेवा हमला समेत कुल 11 मुकदमा दर्ज है। एसटीएफ प्रयागराज फील्ड इकाई के पुलिस उपाधीक्षक शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित प्रतापगढ़ जिले के दिलीपपुर थाना क्षेत्र के खमपुर गांव निवासी गुफरान उर्फ छंगू पुत्र आबादी अली उर्फ औलाद है। इसके खिलाफ पट्टी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी गिरफ्तारी के लिए पचास हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई के प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में निरीक्षक अनिल कुमार सिंह और उनकी टीम लगी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर सोमवार को पट्टी थाना क्षेत्र के कलियाना नहर की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उ.प्र)

कानपुर के ग्रीन पार्क में प्रवेश को लेकर एमएलसी और एडीसीपी में झड़प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। जिले में सिविल लाइंस स्थित ग्रीन पार्क अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में भाजपा एमएलसी अरुण पाठक और एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा के बीच उस वक्त विवाद हो गया, जब उनका गनर हथियार के साथ स्टेडियम के अंदर जा रहे थे। एडीसीपी ने एमएलसी को पहले भी डील करने के बात कही। जिस पर अरुण पाठक का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और वह बार-बार डील का मतलब पूछते रहे। हालांकि अंजलि विश्कर्मा ने कोई जवाब नहीं दिया। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

मामला रविवार का है। जब ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित सिंदूर कप 2025 क्रिकेट टी-20 का मुकाबला सेना एकादश और सांसद एकादश के बीच ग्रीन पार्क अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। इसी दौरान एमएलसी अरुण पाठक भी अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे, लेकिन प्रवेश द्वार पर सुरक्षा में तैनात महिला अधिकारी के साथ मौजूद एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा ने उनके गनर को विजिटर गैलरी के अंदर हथियार ले जाने से रोक दिया। इस बात को लेकर एमएलसी और एडीसीपी के बीच विवाद हो गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एमएलसी अरुण पाठक एडीसीपी अंजलि विश्वकर्मा से पूछ रहे हैं कि डील करने का मतलब क्या होता है? आरोप है कि उन्हें रोके जाने पर एडीसीपी ने कहा था कि इन्हें मैं पहले भी डील कर चुकी हूं। इसी बात को लेकर अरुण पाठक को गुस्सा आ गया और वो लगातार एडीसीपी से इसका मतलब पूछते रहे। हालांकि मामले को बढ़ता देख महापौर प्रमिला पांडेय भी मौके पर पहुंची। दोनों को समझाने के बाद एमएलसी अरुण पाठक को अपने साथ अंदर ले गयीं।

घटना को लेकर एमएलसी अरुण पाठक ने कहा कि ठीक है, हथियार ले जाने पर रोक थी। उसे हम स्वीकार करते हैं लेकिन जो उन्होंने कहा कि मैं डील कर चुकी हूं। इस बात से मैं हैरान और परेशान हूं। एडीसीपी अंजलि विश्कर्मा ने कहा कि विजिटर गैलरी में हथियार ले जाने पर पाबंदी थी। मैं अपनी ड्यूटी निभा रही थी। इसके अलावा मेरी और कोई मंशा नहीं थी।

मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश के पैर में लगी गोली, साथी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। जिले के देवरनियां इलाके में रविवार की देर रात पुलिस और चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एक शातिर चोर के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका एक साथी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाशों के पास से चोरी का माल, असलहा, नकदी और वारदात में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी बरामद हुई है। घायल बदमाश को सीएचसी बहेड़ी में भर्ती कराया गया है, जबकि फरार आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हैं।

थाना प्रभारी देवरनियां ने बताया कि 24 जून को रिछा कस्बे के निवासी हसीन की जेएस एग्रो मिल से अज्ञात चोर 400 केवी ट्रांसफार्मर से क्वायल, चार मोटर और एक कम्प्रेशर समेत कीमती सामान चुरा ले गए थे। इस मामले में देवरनियां थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। रविवार रात 10:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि इस वारदात में शामिल चोर दमखोदा नहर पुलिया के पास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही देवरनियां पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मोहम्मद जुनैद (26) निवासी मिती डाण्डी, थाना बहेड़ी के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने उसे घायल हालत में दबोच लिया। उसका साथी अरमान (20) निवासी जाम बाजार, थाना बहेड़ी को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं दो अन्य आरोपित अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

लखनऊ से पिकनिक मनाने चुना दरी आए दो साथी डूबे

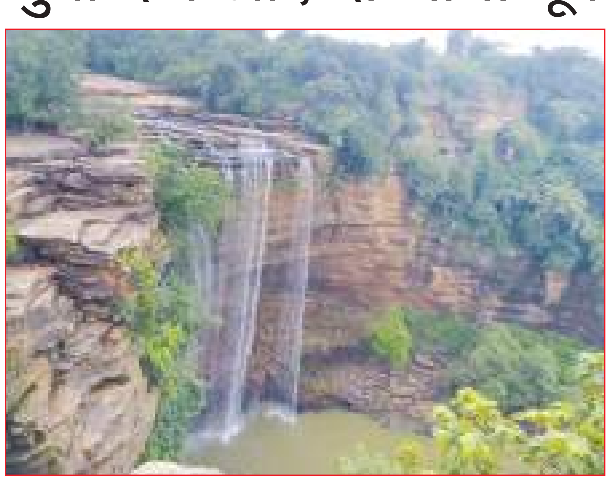

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। लखनऊ से पिकनिक मनाने लिखनिया दरी आए चार युवकों में दो लोग रविवार को दोपहर बाद चुना दरी मे नहाते वक्त गहरे पानी में चले गए और डूब गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनो डूबे युवकों को पानी के गहरे कुंड में खोजबीन की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। सोमवार को गोताखोर बुलाकर दोनों की खोजबीन किया गया। वाराणसी शक्ति नगर मार्ग स्थित थाना क्षेत्र के लिखनिया दरी के चुना दरी में रविवार को चार युवक 27 वर्षीय भानू मौर्य पुत्र उमाशंकर मौर्य निवासी महाराज नगर थाना धरहरा जिला लखीमपुर खीरी, 24 वर्षीय अंकित दूबे पुत्र रामदुलार दूबे पता अज्ञात, 23 वर्षीय आयुष गुप्ता पुत्र सुनील गुप्ता निवासी रुचि खंड शारदा नगर आशियान लखनऊ,24 वर्षीय अमित कुमार पुत्र प्रेमनाथ वर्मा निवासी शाहपुर थाना परसपुर जनपद गोण्डा यह चारों साथी लखनऊ से वाराणसी आए थे। वहां से बाइक द्वारा रविवार को दोपहर में लिखनिया दरी घूमने आए थे और लिखनिया दरी से तीन किलोमीटर अंदर प्रतिबंधित स्थल चुना दरी मे चले गए और वहां पानी में नहाते वक्त दो युवक भानू मौर्य व अंकित दूबे गहरे पानी चले गए और डूबने लगे। साथियों ने बचाने का प्रयास भी किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई और दोनों चुना दरी के गहरे जलकुंड में डूब गए।साथियों ने तीन किलोमीटर पैदल चलकर बाहर आए और लिखनीया दरी पर तैनात पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों डूबे युवकों को खोजने का प्रयास किया लेकिन शव नहीं मिल पाए। एसआई अमरनाथ यादव ने बताया की अंधेरा होने के कारण प्रयास असफल रहा।

जिला जज ने डीएम के साथ जेल की परखी व्यवस्थाएं, बंदियों को दिखाई सुधार की राह

■ जिला जज, डीएम व एसएसपी ने जिला कारागार का निरीक्षण कर जांची बारीकियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। जिला कारागार में व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए उच्चस्तरीय निरीक्षण अभियान चलाया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविन्द कुमार मिश्रा, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने सोमवार को संयुक्त रूप से कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान जेल की आंतरिक व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों और कैदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं की बारीकी से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरकों की साफ-सफाई, बंदियों की संख्या, आवासीय व्यवस्था, भोजनालय की स्वच्छता एवं खाद्य गुणवत्ता, चिकित्सालय की स्थिति, औषधियों की उपलब्धता तथा सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। उन्होंने जेल प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बंदियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन, चिकित्सा सुविधा और साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जाए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविन्द कुमार मिश्र ने जेल में बंद विचाराधीन कैदियों की स्थिति और उनके मुकदमों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विचाराधीन कैदियों के मामलों की जल्द सुनवाई सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से बचा जा सके। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने विशेष रूप से महिला बंदियों की बैरकों की स्थिति देखी और उनकी आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने सुरक्षा से संबंधित बिंदुओं पर विशेष ध्यान देते हुए जेल के सुरक्षाकर्मियों से संवाद किया और सतर्कता बनाए रखने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और उन्हें सुधार की दिशा में प्रेरित करने वाले कार्यक्रमों का संचालन किया जाए।